दैनिक

क्यूँ न लिखूँ सच

प्रातः कालीन

मुरादाबाद से प्रकाशित

वर्षः- 05
अंकः- 13
मुरादाबाद
04 May 2025
(Sunday)
पृष्ठः- 08
मूल्यः- 3.00 रूपया

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, बहराइच, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

पहलगाम हमले पर पीएम मोदी बोले- आतंकवाद मानवता के लिए खतरा है, निर्णायक कार्रवाई करेंगे

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को हैदराबाद हाउस में अंगोला के राष्ट्रपति जोआओ मैनुअल लौरेंको से मुलाकात की। इस दौरान दोनों देश के नेताओं ने द्विपक्षीय बैठक भी की । बैठक के बाद पीएम मोदी ने कहा कि पहलगाम हमले का जिक्र किया और कहा कि हम एकमत हैं कि आतंकवाद मानवता के लिए सबसे बड़ा खतरा है। पहलगाम आतंकी हमले को लेकर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कहा कि आतंकवाद मानवता के लिए सबसे बड़ा खतरा है। पहलगाम में आतंकवादी हमले में मारे गए लोगों के प्रति राष्ट्रपति लौरेंको और अंगोला की संवेदनाओं के लिए मैंने उनका आभार व्यक्त किया है। प्रधानमंत्री मोदी ने हैदराबाद हाउस में अंगोला के राष्ट्रपति लौरेंको के साथ द्विपक्षीय बैठक के बाद संबोधन में यह बात कही।

आतंकवाद के मुद्दे पर बोलते हुए पीएम मोदी ने कहा कि हम एकमत हैं कि आतंकवाद मानवता के लिए सबसे बड़ा खतरा है। पहलगाम में हुए आतंकी हमले में मारे गए लोगों के प्रति राष्ट्रपति लोरेंसू और अंगोला की संवेदनाओं के लिए मैंने उनका आभार व्यक्त किया। हम आतंकवादियों और उनका समर्थन करने वालों के खिलाफ ठोस और निर्णायक कार्रवाई करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ हमारी लड़ाई में अंगोला के समर्थन के लिए उनका आभार व्यक्त करते हैं।

पीएम मोदी ने कहा कि 140 करोड़ भारतीयों की ओर से, मैं अंगोला को 'अफ्रीकन यूनियन' की अध्यक्षता के लिए शुभकामनाएं देता हूं। हमारे लिए यह गौरव की बात है कि भारत की जी 20 अध्यक्षता के दौरान 'अफ्रीकन यूनियन' को जी 20 की स्थायी सदस्यता मिली। भारत और अफ्रीका के देशों ने कोलोनियल शासन के खिलाफ एक सुर में आवाज उठाई थी। एक दूसरे को प्रेरित किया था। आज हम ग्लोबल साउथ के हितों, उनकी आशाओं, अपेक्षाओं और आकांक्षाओं की आवाज बनकर एक साथ खड़े रहे हैं । अंगोला के राष्ट्रपति की भारत यात्रा ऐतिहासिक पल अंगोला के राष्ट्रपति भारत दौरे पर हैं। शनिवार को अंगोला के राष्ट्रपति के साथ साझा प्रेस वार्ता में पीएम मोदी ने कहा कि %मैं राष्ट्रपति लोरेंसू और उनके प्रतिनिधिमंडल का भारत में हार्दिक स्वागत करता हूं। यह एक ऐतिहासिक पल है। 38 वर्षों के बाद, अंगोला के राष्ट्रपति की भारत यात्रा हो रही है। उनकी इस यात्रा से, न केवल भारत-अंगोला संबंधों को नई दिशा और गति मिल रही है, बल्कि भारत और अफ्रीका साझेदारी को भी बल मिल रहा है।% प्रधानमंत्री ने कहा कि %इस वर्ष, भारत और अंगोला अपने राजनयिक संबंधों की 40वीं वर्षगांठ मना रहे हैं। लेकिन हमारे संबंध, उससे भी बहुत पुराने हैं, बहुत गहरे हैं। जब अंगोला आजादी के लिए संघर्ष कर रहा था, तो भारत भी पूरी आस्था और मित्रतापूर्ण संबंधों के साथ अंगोला के साथ खड़ा था।%रक्षा क्षेत्र में सहयोग बढ़ाएंगे भारत और अंगोला प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी है कि अंगोला की सेनाओं के आधुनिकीकरण के लिए 20 करोड़ डॉलर की डिफेन्स क्रेडिट लाइन को स्वीकृति दी गई है। रक्षा प्लेटफॉर्म्स की मरम्मत और बदलाव और सप्लाई पर भी बात हुई है। अंगोला की सशस्त्र सेनाओं की ट्रेनिंग में सहयोग करने में हमें खुशी होगी। साथ ही डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर, स्पेस तकनीक, क्षमता निर्माण के क्षेत्र में अंगोला के साथ अपनी क्षमताएं साझा करेंगे। हम स्वास्थ्य, डायमंड प्रोसेसिंग, फर्टिलाइजर और अहम खनिज क्षेत्रों में भी सहयोग मजबूत करेंगे।

संक्षिप्त समाचार

नकली हेलमेट पहनना पड़ेगा भारी, अब चालान ही नहीं, होगी एफआईआर भी

उत्तर प्रदेश सरकार ने सड़क सुरक्षा को लेकर एक सख्त कदम उठाया है। अब अगर कोई नकली या गैर-मानक (नॉन-बीआईएस) हेलमेट पहनते हुए पकड़ा गया, तो उसे चालान ही नहीं, बल्कि एफआईआर का भी सामना करना पड़ सकता है।उत्तर प्रदेश सरकार ने सड़क सुरक्षा को लेकर एक सख्त कदम उठाया है। अब अगर कोई नकली या गैर-मानक (नॉन-बीआईएस) हेलमेट पहनते हुए पकड़ा गया, तो उसे चालान ही नहीं, बल्कि एफआईआर का भी सामना करना पड़ सकता है। यह कदम राज्य में हो रहे सड़क हादसों और मौतों की चिंताजनक स्थिति को देखते हुए उठाया गया है। पिछले साल यूपी में करीब 46,000 सड़क हादसे हुए, जिनमें 24,000 लोगों की मौत हो गई। इन आंकड़ों ने सरकार को सख्त एक्शन लेने के लिए मजबूर कर दिया।भारत के टू-व्हीलर हेलमेट मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (2ह्व॥क्रू) ने इस फैसले का खुलकर समर्थन किया है। एसोसिएशन के अध्यक्ष और स्टीलबर्ड हेलमेट्स के एमडी, राजीव कपूर ने इसे एक ऐतिहासिक निर्णय बताया। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और परिवहन आयुक्त बी.एन. सिंह की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने नागरिकों की सुरक्षा को प्राथमिकता दी है और नकली हेलमेट के धंधे पर सीधा हमला किया है।राजीव कपूर ने नकली और घटिया क्वालिटी के हेलमेट्स को खामोश हत्यारे कहा।

भारत ने पाकिस्तान के साथ बंद किया कारोबार, पड़ोसी देश से आने वाली सभी वस्तुओं पर लगाई रोक

भारत ने पाकिस्तान के साथ बढ़ते तनाव के बीच आतंकवाद के पनाहगाह पर एक और बड़ी चोट मारी है। इसके तहत अब भारत सरकार ने राष्ट्रीय सुरक्षा के मद्देनजर पाकिस्तान से सभी प्रकार के सीधे या परोक्ष आयात पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी है। यह निर्णय विदेश व्यापार नीति 2023 के तहत लिया गया है। भारत ने आतंकवाद के पनाहगाह पाकिस्तान को एक बार फिर सबक सिखाने के लिए एक बड़ा फैसला लिया है। इसके तहत भारत सरकार ने पाकिस्तान से किसी भी प्रकार की वस्तुओं के सीधे या परोक्ष आयात पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी है। वाणिज्य मंत्रालय की ओर से दो मई को जारी की गई अधिसूचना के अनुसार, यह फैसला राष्ट्रीय सुरक्षा और सार्वजनिक नीति के हित में लिया गया है। इस रोक के बाद अब पाकिस्तान से आने वाले किसी भी उत्पाद चाहे वह सीधे आयात हो या किसी तीसरे देश के जरिए परोक्ष रूप से हो इन सभी आयातों पर पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा।बता दें कि भारत सरकार की तरफ से लगाए गए यह प्रतिबंध विदेश व्यापार नीति 2023 में नए प्रावधान के रूप में जोड़ा गया है, जिसको लेकर विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने साफ किया है कि अगर किसी मामले में आयात की अनुमति दी जाती है, तो उसके लिए भारत सरकार की विशेष मंजूरी जरूरी होगी। क्या आयात होता था पाकिस्तान से? 2024-25 में अप्रैल से जनवरी के बीच भारत ने पाकिस्तान से केवल 0.42 मिलियन डॉलर का आयात किया था। इसमें तांबा और तांबे के सामान, खाद्य फल और सूखे मेवे , कपास, नमक, सल्फर और मिट्टी और पत्थर, जैविक रसायन, खनिज ईंधन, प्लास्टिक उत्पाद, ऊन, कांच के बने पदार्थ, कच्ची खाल और चमड़ा आदि शामिल है। भारत क्या निर्यात करता था? - वहीं बात अगर भारत किए गए निर्यात की करें तो इसी अवधि में भारत ने पाकिस्तान में 447.65 मिलियन डॉलर का निर्यात किया, जिसमें फार्मा उत्पाद (129.55 मिलियन डॉलर), जैविक रसायन (110.06 मिलियन डॉलर), चीनी, चाय, कॉफी, सब्जियां, पेट्रोलियम, उर्वरक, प्लास्टिक, रबर, ऑटो पार्ट्स आदि शामिल है। आर्थिक शिकंजा कसने के लिए भारत की रणनीति पहलगाम हमले के बाद बढ़ते तनाव को देख भारत सरकार ने इसस पहले पाकिस्तान पर आर्थिक शिकंजा कसने की भी तैयारी कर ली। इस रणनीति के तहत भारत ने अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) से पाकिस्तान को दिए गए ऋणों की समीक्षा करने को कहा है। साथ ही उसने पाकिस्तान को वित्तीय कार्रवाई कार्य बल (एफएटीएफ) की ग्रे सूची में शामिल कराने की कोशिश भी शुरू कर दी है। एफएटीएफ की ग्रे सूची में शामिल होने और आईएमएफ के ऋण मंजूरी नहीं देने से पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था को तगड़ा झटका लगेगा।

दलित-OBC के प्रति उमड़ा प्रेम कांग्रेस का छलावा..., मायावती बोलीं- वोट के स्वार्थ में अवसरवादी राजनीति

जातीय जनगणना के मुद्दे पर कांग्रेस द्वारा धन्यवाद रैली निकाले जाने पर मायावती ने कांग्रेस को निशाने पर लिया। उन्होंने एक्स पर लिखा कि %दलित-ओबीसी के प्रति अचानक उमड़ा प्रेम कांग्रेस का छलावा है। वोट के स्वार्थ में ये अवसरवादी राजनीति है।%उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री एवं बसपा सुप्रीमो मायावती ने शनिवार को कांग्रेस को निशाने पर लिया। उन्होंने केंद्र सरकार के जातीय जनगणना कराने के निर्णय पर कांग्रेस द्वारा धन्यवाद रैली निकालने पर तंज कसा। सोशल मीडिया साइट एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि केंद्र सरकार के निर्णय का श्रेय कांग्रेस लेना चाह रही है। लेकिन, वह भूल गई कि दलित व ओबीसी समाज को आरक्षण एवं उनके संवैधानिक हक से वंचित रखने में उसका इतिहास एक काला अध्याय है। इसी कारण उसे सत्ता भी गंवानी पड़ी।मायावती ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि दलित और ओबीसी समाज के प्रति अचानक उमड़ा प्रेम कांग्रेस का छलावा है। वोट के स्वार्थ में यह अवसरवादी राजनीति है। आरक्षण को निष्क्रिय बनाकर इसको खत्म करने की कांग्रेस की मंशा को भुलाया नहीं जा सकता। हालांकि आरक्षण एवं संविधान के जनकल्याणकारी उद्देश्योंको फेल करने में भाजपा भी कांग्रेस से कम नहीं है। इस मामले में दोनों एक ही थाली के चट्टे-बट्टे हैं।कांग्रेस और भाजपा की राजनीति के खेल से लोग सावधान रहें बसपा सुप्रीमो ने आगे लिखा कि वोट के स्वार्थ एवं सत्ता के लालच के कारण भाजपा को जातीय जनगणना की जन अकांक्षा के आगे झुकना पड़ा है। भाजपा के इस निर्णय का स्वागत है। हालांकि डॉ. भीमराव आंबेडकर को भारत रत्न से सम्मानित करने से लेकर ओबीसी को आरक्षण देने तक के मामलों में कांग्रेस और भाजपा का रवैया जातिवादी एवं द्वेषपूर्ण रहा है। इनके वोट की राजनीति के खेल निराले हैं। लोग इनसे सावधान रहें।

सीएम योगी ने आवास एवं शहरी नियोजन विभाग की समीक्षा बैठक की, दो साल में बन जाएगा विश्वस्तरीय कन्वेंशन सेंटर

समीक्षा बैठक में सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि विकास प्राधिकरणों में भवन मानचित्रों के लंबित प्रकरणों का एकमुश्त निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। सभी नगरों के जीआईएस आधारित मास्टर प्लान मई माह के अंत तक अनुमोदित करा लें। इसके अलावा कानपुर, आगरा और लखनऊ मेट्रो परियोजनाओं को निर्धारित समय सीमा में पूर्ण कर लें। राजधानी लखनऊ में शनिवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आवास में आवास एवं शहरी नियोजन विभाग की समीक्षा बैठक की। इसमें उन्होंने विकास प्राधिकरणों में लंबित भवन मानचित्रों के मामलों की जानकारी ली। निर्देशित किया कि मानचित्र से जुड़े मामलों में बार-बार आपत्तियां लगाया जाना अनुचित है। इसे सरल तरीके से एक ही बार में निस्तारित करें। इस तरह

के जो भी मामले लंबित हैं, एक समय सीमा तय करके उनका निस्तारण करें। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि इस महीने के अंत तक नगरों में जीआईएस बेस्ड मास्टर प्लान अप्रूव करा लें। शहरी नियोजन, आवासीय सुरक्षा, अधोसंरचना विकास एवं डिजिटल प्रबंधन जैसे सभी घटकों को एकीकृत दृष्टिकोण से लागू करना आवश्यक है। मेट्रो परियोजनाओं की प्रगति की जानकारी ली इस दौरान अधिकारियों ने सीएम को मेट्रो परियोजनाओं की प्रगति की जानकारी दी। बताया कि कानपुर मेट्रो के मोतीझील से कानपुर सेंट्रल स्टेशन तक 6.7 किमी लंबे अंडरग्राउंड सेक्शन का निर्माण पूर्ण हो गया है। कॉरिडोर एक और दो का काम इस साल के अंत तक पूरा कर लिया जाएगा। आगरा मेट्रो के प्रथम कॉरिडोर को भी दिसंबर 2025 तक पूरा करने का लक्ष्य है। वहीं द्वितीय कॉरिडोर का काम 2026 तक निर्धारित किया गया है। लखनऊ मेट्रो परियोजना के तहत चारबाग से बसंतकुंज तक (11.165 किमी) की प्रक्रिया तेजी से चल रही है। बैठक में मुख्यमंत्री ने लखनऊ विकास प्राधिकरण के सीमा विस्तार की आवश्कता जताई। साथ ही जेपीएनआईएसी को यथाशीघ्र लखनऊ विकास प्राधिकरण को हस्तांतरित करने के भी निर्देश दिए। अधिकारियों ने सीएम को बताया कि भवन निर्माण एवं विकास उपविधि के प्रारूप पर 16 अप्रैल से 30 मई तक जनसामान्य से सुझाव आमंत्रित किए गए हैं। साल में पूरा करें मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि 900 करोड़ से बनने वाले विश्वस्तरीय %इंटरनेशनल एक्जीबिशन-कम-कन्वेंशन सेंटर% का काम दो साल में पूरा करना है। यह कन्वेंशन सेंटर नए लखेनऊ की पहचान बनेगा। इसके साथ ही यूपी-एससीआर परियोजना लखनऊ, हरदोई, सीतापुर, उन्नाव, रायबरेली और बाराबंकी जिलों को समाहित करती है। इसके डीपीआर की प्रक्रिया में अब विलंब न हो।

संपादकीय Editorial

Caste in Census

After the Pahalgam massacre, there is a war-like tension between India and Pakistan, but the Modi government surprised everyone by suddenly announcing caste census. This decision was taken in the cabinet's political affairs committee. It is called the 'super cabinet' because its meetings are held only occasionally. However, this time whenever the census will be conducted, the government will also ask about 'caste' by going door-to-door, so a new compilation of castes will be prepared. Caste census will be conducted for the first time after the independence of the country. The last caste census was conducted in 1931. After independence, census was conducted in 1951 and '61, but only the data of Scheduled Castes and Tribes was made public. The then Prime Minister Jawaharlal Nehru believed that this could create situations of caste division, as a result national unity could be affected. The 'Census Act' made by the Nehru government also did not mention caste census. After that, Indira Gandhi and Rajiv Gandhi, as Prime Ministers, strongly opposed the issue of 'caste'. At that time, the political and election slogan of the Congress was- 'Jaat par na paat par, stamp lagegi on 'haath''. Prime Minister Rajiv Gandhi had given a speech of more than two hours against OBC. However, now the basic issue and the question of the Leader of Opposition Rahul Gandhi is that when will the census be conducted and what will be the format of caste census? Actually, the first census of India was conducted in 1881 during the British rule. This process continued after every 10 years. In 1941 also, caste census was done in the census, but its data was not made public. During the Congress-led UPA-2 government at the Center, only a part of the census was completed in 2011. Socio-economic and caste census survey of about 25 crore urban and rural families was done. Data was received by the end of 2012. Processing could not be done till 2013. Modi government came to power in 2014. Data of rural India was released, but caste was again kept hidden. Finally, in 2018, the government said that there are errors in the data. Then the same thing was said in the Supreme Court. The census should have been conducted in 2021, but due to the corona pandemic, the census was postponed. Even after that, four years have passed, but the process of census has not been started. Now the question is whether the census will be conducted in 2031 in view of the established order? Obviously, caste census will also be conducted then. The term of the current Lok Sabha is till 2029. The government also has to implement the women's reservation law. The delimitation work also has to be completed. There are elections in Bihar at the end of this year. There are elections in important states like Tamil Nadu, West Bengal and Assam in 2026. There are elections in the country's largest state UP in 2027. Caste census cannot be completed during these elections. Of course, BJP-NDA can take political advantage only from this announcement. During the Lok Sabha elections, 2024, parties like Congress, SP, DMK, RJD raised the issue of caste census a lot. The slogan given was- 'The greater the number, the greater the share.' On this basis, the question can be asked that if the population of Dalits, backward classes, tribals, minorities etc. is about 90 percent in the country, then can the reservation be increased that much? Rahul Gandhi has constantly talked about breaking the 'wall' of 50 percent reservation. This maximum limit has been fixed by the Supreme Court. If the reservation and system cannot be changed in proportion to the number, then what will be the benefits of caste census? Yes, reservation in education and employment can be fixed again.

UPSC's exam system is falling apart, 95% candidates are selected through English medium

There are many contradictions in UPSC's exam system. 70% candidates are from technical fields like engineering, medical or management but more than 80% of the optional papers are from social sciences. 95% candidates are selected through English medium while only five% candidates from Indian languages ??are successful. Like every year, there is an echo of successful candidates in the civil service examination conducted by Union Public Service Commission (UPSC) this year as well. For the past several years, girls have been topping it. This time too Shakti Dubey topped. There are 11 girls in the first 25 ranks. Overall 29%. It is increasing every year. This is very good news for Nari Shakti or say women's education. If we review the past few years, the contradictions of the civil service examination are also no less. About 70 percent of the candidates have educational qualifications in technical fields like engineering, medical or management, but for more than 80 percent of them, the optional papers in UPSC exam are social sciences like sociology, anthropology, political science etc. This time, the topper Shakti Dubey chose political science as his subject in UPSC, Archit Parag Dongre who got the third rank chose philosophy and both the candidates who got the fourth and fifth ranks chose sociology, while at the graduation level they studied in technical fields like engineering and medical. Here the question is not of good or bad subjects, but of no coordination between the education system and UPSC. The second important contradiction is of English and Indian languages. In this country, not even two percent of the people have English as their mother tongue, but 95 percent of the candidates in the civil service examination are selected through English medium. Barely five percent of the candidates of Indian languages ??are selected. The ill effect of including English in the preliminary examination in 2011 was that the youth of the country started leaning towards English schools and this continues despite the policy of this government to promote Indian languages. Who can go to English schools, only those who are relatively rich. Living in a metropolis and studying in expensive schools and colleges and taking coaching is beyond the means of the poor of the country. For the last 10 years, another big crack is coming out in the entire examination system of UPSC. This time's topper failed in the preliminary examination thrice and topped the country for the fifth time. Harshita Goyal, who got the second rank, also failed in the preliminary examination twice. If we look at the record of the last 10 years, there is no coordination between the preliminary examination and the main examination. The report of the committee formed under the leadership of Daulat Singh Kothari to improve the civil service examination system was implemented in 1979. That examination system remained fine till 2011. Such strange results never came in that entire period. Now it is happening many times that the candidate got successful with a low rank in the first attempt, but when he gave the examination again to get a higher rank, he could not clear the preliminary examination even in four attempts. As if the preliminary examination of UPSC is a lottery or gambling. Failing in the first stage shatters the dreams of thousands and lakhs of youth. There is no dearth of such capable candidates who are engaged in this struggle by living on rent in the metropolis for 10-10 years. UPSC has made such rules that the age limit is 32 years for general category and 37 years for reserved category. Over the years, many committees have suggested reducing the age limit, but it is not known what political compulsions the government has. It would be better if the morality of the candidates is not talked about after passing the examination. One example will suffice. Six years ago, the candidate who was given the highest marks by UPSC in the ethics paper and due to which he became an IPS, was caught cheating in the main examination of UPSC the next year. The case of Pooja Khedkar must be in your memory, how she got the certificate of reservation by avoiding the creamy layer and defying UPSC and the Ministry of Personnel, started demanding such facilities which she was not entitled to? Recently, Union Minister Piyush Goyal, while pointing towards startup companies, said that they are only in the service sector like food and supply of goods. Why not in artificial intelligence and robotics like China? It is good that he himself accepted this. After this, the youth coming out of IIT etc. institutions expressed anger that we have to go through so many bureaucratic rounds for our startup that both our intelligence and artificial intelligence become slow. This is the reality. Some even said that is the Indian government spending as much money on science and research as China, Israel, Japan? These questions are related to the civil service examination because until the intentions of the bureaucrats selected in it are honest, they are not free from corruption and political interference in their work is not reduced and until the entire examination system and education are not improved, our best youth will not go to these services. The fault is not of these youth but of the entire structure of our democracy. The government should focus its attention on changing it immediately.

Pros and cons of caste census, does social justice really get a new flight or not?

Jagran editorial on the pros and cons of caste census. Will caste census really give a new flight to social justice? OBC castes get the benefit of reservation but will it promote social fragmentation? Read Dr. AK Verma's article on the political implications of caste census and its possible effects on society. Modi cabinet took an unexpected decision to conduct caste census. After almost a hundred years, a complete caste census will be conducted. Probably by 2031 we will be able to get authentic data of castes. The last caste census was conducted in 1931. Both BJP and Congress have been changing their views on this issue from time to time. Rashtriya Swayamsevak Sangh has also changed its stand on this. Now there is a competition among the opposition parties to take credit for the decision of caste census. Modi took this decision when the opposition parties were not expecting it at all. Everyone's attention was on the Pahalgam terrorist attack and the opposition stood with the Modi government. This decision is also being linked to the upcoming elections in Bihar, where Tejashwi Yadav and Rahul Gandhi wanted to defeat Modi-Nitish by making caste census their main election agenda. When caste census was conducted from 1881 to 1931 during the British period, why was it stopped and why is it being started again after almost a hundred years? Caste census was also conducted in 1941, but its data was not published. After independence, partial caste census was conducted from 1951 to 2011, in which Scheduled Castes and Tribes were counted. 1941 Census Commissioner MWM Yeats had described caste census as expensive, time consuming, causing social animosity and an obstacle in the path of Dr. Ambedkar's casteless society. Caste census does not make any difference to Dalits and tribals, because their census has been done regularly, but Other Backward Classes (OBCs) feel that now they will benefit from it, but no one knows how this will happen?

Is caste census only an electoral game and an exercise by political parties to woo a large section of society? Of course, caste census will also provide data of OBC castes and they will also get some benefits from sub-categorization of reservation, but the future will tell whether caste-wise census will really give a new impetus to social justice. If social justice was established only through caste census, could SC-ST society get the desired social justice? It is true that the condition of one or two castes among Dalits has improved, but what about the remaining hundreds of castes? The same situation is among tribals as well. According to the Constitution, the monopoly of census is with the Parliament i.e. the Center, but Bihar, Karnataka etc. conducted caste survey in their respective states. Although there was lack of transparency and political implications in it. The states which conducted caste survey and obtained data of various castes, what step did they take for the betterment of OBCs, which was not possible without caste data? Former Prime Minister Manmohan Singh conducted a socio-economic survey in 2011, but could not publish its caste data. Then Home Minister Chidambaram had given several reasons for not conducting caste census, such as separate OBC lists of the Centre and the state, absence of OBC lists in many states, many castes being included in both SC and OBC, different status of those who convert to Christianity and Islam in different states, different status of those who migrate from one state to another and ambiguity of children born from inter-religious marriages. Now that the Cabinet has taken the decision, the Census Commission will have to deal with these problems. The biggest difficulty in this is that any citizen has the freedom to declare his caste and he does not have to show any proof for it. Will public policies in the country now be made by looking at caste? Will policies made for every caste and class take us towards social justice, brotherhood and unity? Is reservation the only carrier of social justice? Is allocation of resources and services of the country to castes in proportion to their population the right solution to our problems? This is not the case even in strict communist systems. Castes are the basis of our social structure. There has been some flexibility in this structure and we are trying to get out of casteism, but it has to be seen that the caste census does not put a stop to this trend and the hierarchical social structures do not become more rigid, which fuels social fragmentation. The 2011 census had revealed that there are about 46 lakh castes and sub-castes in the country. With the coordination of caste census and reservation, innumerable deprived sub-groups in a caste group will also get an opportunity to come into the socio-economic mainstream, which will make social justice a reality for them, but this will also end the game of those leaders who establish a monopoly of a sub-caste on all the benefits of their caste group by doing caste politics. Will Muslims and Christians also be brought under the purview of caste census? Even though Muslim leaders deny the existence of castes, according to the Sachar Committee, Muslims are divided into castes called Ashraf, Ajlaf and Arzal. Nowadays Pasmanda (Ajlaf and Arzal) Muslims are fighting for their rights. Among Christians too, Dalit Christians demand that they should also be considered as Scheduled Caste and be given facilities accordingly. There is a concern among the leaders supporting caste census that BJP may change the caste census into an agenda to unite Hindu society. BJP's open agenda is that it wants an inclusive, empowered and prosperous society, but Non-NDA parties want to keep various social groups out of Hindu society by maintaining their identity. Only the future will tell which of these two succeeds in their agenda?

मण्डलायुक्त की अध्यक्षता में मुरादाबाद स्मार्ट सिटी एसपीवी बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स की बैठक आयोजित

मुरादाबाद- मण्डलायुक्त श्री आन्जनेय कुमार सिंह की अध्यक्षता में कमिश्नरी सभागार में एस0पी0वी0 बोर्ड आफ डायरेक्टर्स की बैठक आयोजित हुई। बैठक में मडलायुक्त द्वारा श्री अनुभव सिंह उपाध्यक्ष मुरादाबाद विकास प्राधिकरण, निदेशक आर0सी0यू0ई0एस0 निदेशक नियुक्त किए जाने का निदेशक मण्डल द्वारा मुरादाबाद कियोस्क एवं कॉमन फैसिलिटी रेवन्यू आधारित संचालन कराए इसके साथ ही मुरादाबाद स्मार्ट परियोजना卐स्मार्ट पार्किंग卐 हेतु अनुमोदन प्रदान करते हुए जनमानस के उपयोग हेतु प्रयोग किया गया। मण्डलायुक्त ने समस्त परियोजनाओं के स्थल साथ कवर किए जाने के निर्देश सिटी के फुटपाथों को कन्जेशन वाले राहगीरों को सुगमता प्रदान गया। इसके साथ ही उन्होंने सौन्दर्यकरण कार्य के अन्तर्गत को नगर निगम के साथ कराए गया। मण्डलायुक्त द्वारा मुरादाबाद महिलाओं एवं बच्चों के सुगमता के निर्देश दिए गए। बैठक में उपाध्यक्ष मुरादाबाद विकास प्राधिकरण श्री अनुभव सिंह, नगर आयुक्त/सी0ई0ओ0 श्री दिव्याशु पटेल, अपर नगर आयुक्त/एडिश्नल सी0ई0ओ0 श्री अतुल कुमार, संयुक्त निदेशक श्रीमती अलका सिंह, टाउन कंट्री प्लानिंग श्री विवेक भास्कर, जनरल मैनेजर तकनीकी श्री ए0के0 मित्तल सहित अन्य संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहें।

डा0 अलका सिंह संयुक्त लखनऊ को कम्पनी के अनुमोदन प्रदान किया गया। स्मार्ट सिटी परियोजना ई-ब्रॉस फरनेस को यथाशीघ्र जाने हेतु निर्देश दिए गए। सिटी लिमिटेड की उप जारी एल0ओ0ए0 का परियोजना को शीघ्र ही में लाये जाने हेतु निर्देशित मुरादाबाद स्मार्ट सिटी के के आस-पास ग्रीनरी के दिये और मुरादाबाद स्मार्ट मुक्त करते हुए पैदल चलने किए जाने हेतु सुझाव दिया मुरादाबाद शहर में स्ट्रीट वॉल पेन्टिंग के कार्य जाने हेतु निर्देशित भी किया शहर के मुख्य बाजारों में हेतु सुविधा प्रदान किए जाने

संभल सीओ अनुज चौधरी का चंदौसी तबादला, बयान के कारण लगातार चर्चा में रहे, आलोक कुमार को सौंपी गई कमान

मुरादाबाद- संभल पुलिस में सीओ स्तर पर बड़ा फेरबदल करते हुए तीन सर्किलों के अधिकारियों को बदल दिया गया है। बयान को लेकर चर्चा में आए सीओ अनुज चौधरी को चंदौसी भेजा गया है। उनकी जगह एएसपी आलोक कुमार में शुक्रवार को बड़ा फेरबदल किया ने सीओ स्तर पर बदलाव करते हुए तैनाती की है। लंबे समय से अपने रहने वाले संभल के क्षेत्राधिकारी सर्किल भेज दिया गया है। उनकी जगह का नया सीओ बनाया गया है। बहजोई कुमार सिंह को वहां से हटाकर अब गई है। अब तक ट्रैफिक सीओ रहे गया है। यूपी डायल 112 की जिम्मेदारी में कार्यरत क्षेत्राधिकारी आलोक सिद्धू दी गई है। विवादित बयान और होली और जुमा के अवसर पर पीस होली साल में एक और जुमा 52 बार परहेज है तो वह घर से बाहर न निकले। था कि अगर ईद की सिवइयां खिलानी पड़ेगी। उनका यह बयान सोशल

को चार्ज दिया गया है। संभल पुलिस गया है। एसपी कृष्ण कुमार बिश्नोई तीन सर्किलों में नए अधिकारियों की बेबाक बयानों के कारण सुर्खियों में (सीओ) अनुज चौधरी को चंदौसी एएसपी आलोक कुमार को संभल सर्किल में तैनात क्षेत्राधिकारी डॉ. प्रदीप यातायात सीओ की जिम्मेदारी दी संतोष कुमार सिंह को लाइन भेजा भी उन्हें सौंपी गई है। वहीं, चंदौसी को अब बहजोई सर्किल की कमान प्रतिक्रिया- सीओ अनुज चौधरी ने कमेटी की बैठक में कहा था कि आता है। अगर किसी को रंग से इसके अलावा उन्होंने यह भी कहा हैं तो होली की गुजिया भी खानी मीडिया में तेजी से वायरल हो गया था। क्लीन चिट निरस्त, अब दोबारा जांच होगी साल में होली एक बार और जुमा का दिन 52 बार आता है, समेत कई बयानों को लेकर हुई जांच में संभल सीओ अनुज चौधरी को मिली क्लीनचिट अब निरस्त कर दी गई। शिकायतकर्ता आजाद अधिकार सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व आईपीएस अधिकारी अमिताभ ठाकुर की आपत्ति के बाद यह क्लीन चिट डीजीपी की ओर से निरस्त की गई है। अब इस मामले की दोबारा जांच की जाएगी। इसमें शिकायतकर्ता से साक्ष्य उपलब्ध कराने के लिए कहा गया है। एएसपी श्रीश्चंद्र ने शिकायतकर्ता को तीन दिनों में आरोपों के संबंध में सुसंगत साक्ष्य और कथन उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। अमिताभ ठाकुर ने अनुज चौधरी की शिकायत डीजीपी से की थी। जिसमें कहा था कि सीओ लगातार सेवा नियमावलियों तथा वर्दी नियमावलियों का उल्लंघन कर रहे हैं। बिना अधिकारिकता के बयानबाजी करते हैं। पुलिसिंग तथा अपने कार्यों को जानबूझकर सांप्रदायिक रंग देने, सेवा नियमावलियों से इतर कार्य कर माहौल को तनावग्रस्त करने में लगे हैं। आरोप यह भी लगाया था कि एक वर्ग विशेष में असुरक्षा की भावना उत्पन्न हो रही है। इस संबंध में एएसपी श्रीश्चंद्र द्वारा जांच की गई थी। जिसमें आरोप गलत पाए गए थे। दो लोगों के बयान भी दर्ज किए गए थे। इसके बाद क्लीनचिट दे दी गई थी। क्लीनचिट दिए जाने के बाद शिकायतकर्ता ने आपत्ति की और उनका पक्ष नहीं लेने का जांच अधिकारी पर आरोप लगाया था। इसी क्रम में अब शासन द्वारा जांच के निर्देश दिए हैं।

50 लाख हड़पने के लिए दिव्यांग को गाड़ी से कुचलकर मार डाला, पुलिस ने भी समझा हादसा.. अब ऐसे हुआ खुलासा

मुरादाबाद-बीमा की 50 लाख रुपये की रकम हड़पने के लिए साजिशन दिव्यांग की हत्या कर उसे हादसे का रूप दिया गया। इस मामले में पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार कर गाड़ी, हथियार व बीमा दस्तावेज बरामद किए हैं। बीमा पॉलिसियों में मृतक के भाई को अंजाम दिया गया था। कोतवाली की 50 लाख रुपये की रकम हड़पने का खुलासा करते हुए चार आरोपियों प्रताप और पंकज राघव को गिरफ्तार घटना में प्रयुक्त ईको गाड़ी, हथौड़ी, पासबुक, एक मोबाइल, दो जाली अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई ने दिलवारी थाना बिसौली बदायूं के आटा-पतरौआ मार्ग पर सैनिक मौत हो गई थी। मृतक के भाई राजेंद्र के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया 29 दिसंबर 2024 को कोर्ट में अंतिम बीमा कंपनी टाटा एआईए के जांच में सामने आया कि दरियाव एलियांस, आईसीआईसीआई,

पुलिस जांच में खुलासा हुआ कि को नामिनी बनाकर पूरे घटनाक्रम चंदौसी और बहजोई पुलिस ने बीमा के लिए दिव्यांग की हत्या के मामले हरिओम उर्फ हरिहर सिंह, विनोद, कर जेल भेज दिया है। पुलिस ने दो एटीएम कार्ड, दो चेक बुक, एक स्टांप आदि बरामद किए हैं।पुलिस बताया कि 31 जुलाई को ग्राम निवासी दरियाव (38) की चंदौसी चौराहे के पास वाहन से कुचलकर की तहरीर पर अज्ञात वाहन चालक था। साक्ष्य के अभाव में पुलिस ने रिपोर्ट दाखिल कर दी थी। बाद में इन्वेस्टीगेटर को घटना संदिग्ध लगी। के नाम पर टाटा एआईए, बजाज रिलायंस जनरल और किसान बीमा सहित कुल 50,68,000 रुपये की पॉलिसी थी। इन पॉलिसियों में से अधिकतर की नामिनी मृतक का भाई राजेंद्र था। दरियाव की बीमा पॉलिसियों के दस्तावेजों में दर्ज मोबाइल नंबरों की जांच में भी संदेहजनक गतिविधियां सामने आईं। साक्ष्य एकत्र करने के बाद पुलिस ने हरिओम, विनोद, पंकज राघव को पूछताछ के लिए बुलाया।पूछताछ में उन्होंने स्वीकार किया कि अपने दो अन्य साथियों के साथ मिलकर उन्होंने दरियाव को वाहन से कुचलकर हत्या की और इसे एक्सीडेंट का रूप दिया, ताकि बीमा की रकम हासिल की जा सके। पुलिस के अनुसार मृतक दरियाव विवाहित थे और उनकी एक नाबालिग पुत्री है। पूर्व में एक दुर्घटना के कारण वह लकवाग्रस्त हो गए थे और आर्थिक स्थिति ठीक न होने के चलते भीख मांगकर जीवन यापन करते थे। इतनी बड़ी संख्या में पॉलिसियों का प्रीमियम भरना उनके लिए संभव नहीं था। मामले की जांच में यह भी सामने आया कि बीमा क्लेम फॉर्म और इंवेस्टिगेशन रिपोर्ट में हरिओम और विनोद के नाम गवाह के रूप में दर्ज थे। पॉलिसी दस्तावेजों में पंकज राघव का मोबाइल नंबर बार-बार सामने आया। पुलिस ने चारों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

संक्षिप्त समाचार

बारिश के चलते दीवार गिरी, मलबे में दबने से कक्षा चार की छात्रा की मौत, मामा के घर आई थी अलीना

मुरादाबाद-बहजोई में बारिश के दौरान दीवार गिरने से ननिहाल आई कक्षा चार की छात्रा की मौत हो गई। वह अपने पांच भाई-बहनों में चौथे नंबर की थी। हादसे के बाद परिवार में कोहराम मचा है। बहजोई के गांव अकबरपुर में बारिश के चलते गिरी दीवार के नीचे दबने से कक्षा चार की छात्रा अलीना (12) की मौत हो गई। छात्रा अपनी ननिहाल में घूमने के लिए आई थी। परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है। बिना किसी कार्रवाई के शव सुपुर्द ए खाक कर दिया गया है। हादसा शुक्रवार की सुबह हुआ है। कुढ़फतेहगढ़ थाना क्षेत्र के गांव कोकावास निवासी सलीम की बेटी अलीना गांव के प्राइवेट स्कूल में कक्षा चार में पढ़ती थी। आठ दिन पहले अलीना अपनी मां शहनाज के साथ बहजोई के गांव अकरबरपुर में ननिहाल घूमने आई थी। मामा इरशाद ने बताया कि शुक्रवार की सुबह नौ बजे बारिश हो रही थी। उसी समय मकान की दीवार अचानक से ढह गई। इसकी चपेट में आकर अलीना गंभीर रूप से घायल हो गई और बाद में उसकी मौत हो गई। बताया कि करीब दस मिनट बाद मलबे से छात्रा को बाहर निकाला गया गया था। उस समय शरीर में हलचल दिख रही थी। पहले बहजोई में उपचार कराया और बाद में चंदौसी ले गए। जहां चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया। छात्रा अपने पांच बहन भाइयों में चौथे नंबर की थी। आधा घंटे की बारिश से लोगों को मिली राहत- चंदौसी में बीते दिनों से पड़ रही तेज गर्मी से शुक्रवार सुबह करीब साढ़े नौ बजे से शुरू हुई आधा घंटे की हल्की बारिश से राहत महसूस की गई। मौसम सुहावना हो गया। वहीं शहर में कई जगह सड़कों पर कीचड़ फैलने से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। सुबह से ही मौसम का मिजाज बदल गया, आसमान में काले बादल छा गए और तेज हवाएं चलनी शुरू हो गईं। करीब सुबह साढ़े नौ बजे से हल्की बारिश शुरू हो गई। इस बीच बच्चे व बड़े बारिश में भीगते नजर आए। बाजारों में भी लोगों की रौनक कम हो गई। रिमझिम बारिश का लोगों ने जमकर आनंद लिया। वहीं ठंडी हवाओं ने काफी हद तक लोगों को गर्मी से राहत दी। दोपहर करीब 12 बजे के बाद फिर गर्मी ने अपने तेवर दिखाने शुरू कर दिए। धूप निकलने से लोगों की मुश्किलें फिर बढ़ गई। शाम को मौसम सुहावना हो गया।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

डीएम व एसएसपी ने सुनी जन शिकायतें

क्यूँ न लिखूँ सच

जिलाधिकारी अवनीश राय ने शनिवार को तहसील सदर बदायूं में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस की अध्यक्षता करते हुए अधिकारियों को प्राप्त शिकायतों का गुणवत्तापरक व समयबद्ध निस्तारण करने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि शिकायतों के निस्तारण में शिकायतकर्ता की संतुष्टि आवश्यक है इसका विशेष ध्यान रखा जाए। इस अवसर पर कुल 43 शिकायती एवं प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए जिनमें से 07 का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया तथा शेष के गुणवत्तापरक निस्तारण के निर्देश अधिकारियों को दिए गए। जिलाधिकारी ने कहा कि फरियादी बड़ी आस से आपके पास अपनी शिकायत लेकर आता है इसलिए फरियादी को संतुष्ट करना आवश्यक है। उन्होंने भूमि व राजस्व संबंधी वादों के निस्तारण के लिए पुलिस व राजस्व विभाग की संयुक्त टीम बनाकर मौके पर जाकर निस्तारण करने के लिए कहा तथा इसकी फोटोग्राफी भी कराने के लिए कहा। जिलाधिकारी ने कहा कि आमजन की शिकायतों का गुणवत्तापरक निस्तारण मा0 मुख्यमंत्री जी की प्राथमिकताओं में है, इसलिए अधिकारी पूरी गंभीरता से कार्य करें। इसमें किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि संपूर्ण समाधान दिवस आमजन की शिकायतों को जानने व उनके निस्तारण का एक अच्छा प्लेटफार्म है। उन्होंने बताया कि शासन स्तर से भी निस्तारण की गुणवत्ता के संबंध में फीडबैक लिया जाता है इसलिए अधिकारी पूरी गंभीरता से कार्य करें। संपूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर ग्राम ततारपुर थाना कादरचौक के नरेंद्र पुत्र गंगाराम ने जिलाधिकारी के समक्ष प्रार्थना पत्र देते हुए उसके निजी नलकूप के आवेदन के क्रम में उसे विद्युत लाइन मुहैया कराने के लिए कहा। जिस पर जिलाधिकारी ने अधिशासी अभियंता विद्युत खंड प्रथम को आवश्यक कार्यवाही कर आख्या प्रस्तुत करने हेतु निर्देशित किया। सम्पूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर चकरोड पर अवैध कब्जा हटवाने, भूमि की पैमाइश करवाने सहित राजस्व विभाग की 18, पुलिस विभाग 10, विकास विभाग 05, विद्युत विभाग 08 व नगर पालिका की 02 सहित कुल 43 शिकायती एवं प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए जिनमें से 07 का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया तथा शेष के गुणवत्तापरक निस्तारण के निर्देश अधिकारियों को दिए गए। इस अवसर पर एसएसपी ब्रजेश कुमार सिंह, सीडीओ केशव कुमार, एसडीएम मोहित कुमार सहित अन्य विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।

सभी तैयारियां पूर्ण, 04 मई को 07 केन्द्रों पर होगी नीट परीक्षा

क्यूँ न लिखूँ सच

जिलाधिकारी अवनीश राय ने बताया कि 04 मई को जनपद के 07 परीक्षा केन्द्रों पर राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट यू0जी0) 2025 परीक्षा आयोजित होगी। परीक्षा निष्पक्ष, पारदर्शी व शुचितापूर्ण ढंग से संपन्न कराई जाएगी। सभी तैयारियां व व्यवस्थाएं पूर्ण कर ली गई है। जनपद में कुल 2839 परीक्षार्थी परीक्षा देंगे। परीक्षा के लिए नोडल बनाए गए केंद्रीय विद्यालय शेखुपुर के प्रधानाचार्य सम्राट कोहली ने जानकारी देते बताया कि परीक्षा राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एन0टी0ए0) द्वारा आयोजित की जा रही है तथा परीक्षा को सफलतापूर्वक संपादित कराने के लिए एन0टी0ए0 द्वारा प्रत्येक परीक्षा केंद्र पर एक ऑब्जर्वर की तैनाती की गई है। जिलाधिकारी ने बताया कि परीक्षार्थियों की बायोमेट्रिक उपस्थिति होगी तथा परीक्षा केंद्र पर मोबाइल कैल्कुलेटर, स्मार्ट वाच आदि कोई भी इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स ले जाना प्रतिबंधित रहेगा। परीक्षा सी0सी0टी0वी0 कैमरे की निगरानी में होगी। सभी 07 परीक्षा केंद्रो पर स्टेटिक मजिस्ट्रेट को नामित कर दिया गया है। परीक्षा केन्द्र के 500 मीटर की परिधि में किसी भी फोटो कॉपी की दुकान, साइबर कैफे तथा पी0सी0ओ0 आदि परीक्षा के दौरान नहीं खुलेंगी। परीक्षा अपराह्न 02:00 बजे से सायं 05:00 बजे एक पाली में होगी। परीक्षार्थियों को अपने संबंधित परीक्षा केंद्र पर अपराह्न 1:30 बजे तक पहुंचना होगा। एक परीक्षा कक्ष में अधिकतम 24 परीक्षार्थी बैठने की व्यवस्था होगी। जिलाधिकारी ने बताया कि परीक्षा केन्द्र केदारनाथ महिला इण्टर कालेज बदायूँ में 480 परीक्षार्थी, एन0एम0एस0एन0दास पी0जी0 कालेज बदायूँ में 480, श्री कृष्णा इण्टर कालेज बदायूँ में 720, पी0एम0 श्री राजकीय इण्टर कालेज बदायूँ में 384, पी0एम0 श्री राजकीय कन्या इण्टर कालेज बदायूँ में 384, पी0एम0 श्री केन्द्रीय विद्यालय शेखूपुर में 288, हाफिज सिददीकी इस्लामियां इण्टर कालेज बदायूँ में 103 परीक्षार्थी परीक्षा देंगे। इस प्रकार कुल 2839 परीक्षार्थी प्रतिभाग करेंगे।

बहराइच/जिलाधिकारी महोदय एवं पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा जिला कारागार का किया गया आकस्मिक निरीक्षण

क्यूँ न लिखूँ सच- भूपेन्द्र तिवारी

जिलाधिकारी महोदय बहराइच श्रीमती मोनिका रानी एवं पुलिस अधीक्षक महोदय बहराइच द्वारा जिला कारागार का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। इस दौरान कारागार में कैदियों हेतु सुविधाओं व व्यवस्थाओं का गहन निरीक्षण करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान महोदय द्वारा सम्पूर्ण कारागार परिसर का भ्रमण कर पुरुष बैरक, महिला बैरक, बंदी पाकशाला, क्रीड़ास्थल और अस्पताल वार्ड का जायजा लिया गया तथा बंदियों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं और कारागार की साफ-सफाई की स्थिति का भी जायजा लिया गया। इस दौरान महोदय द्वारा जेल अधीक्षक को निर्देश दिए गए कि वे नियमित रूप से कारागार का निरीक्षण करते रहें, शातिर बंदियों पर विशेष नजर बनाये रखें साथ ही समय-समय पर बंदियों की गतिविधियों की जानकारी देने हेतु निर्देशित किया गया। इसके अतिरिक्त सुरक्षा की दृष्टि से सीसीटीवी कैमरों को निरंतर क्रियाशील रखने और जेल मैनुअल के अनुसार सभी व्यवस्थाएं बनाए रखने हेतु निर्देशित किया गया।

मोतीपुर/बलात्कार के मुकदमें से सम्बन्धित एक वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच- भूपेन्द्र तिवारी

मु0अ0सं0 - 166/25 धारा- 376/147/323/504/506/452 भादवि व 3/4 पॉक्सो एक्ट बहराइच/ पुलिस अधीक्षक महोदय बहराइच द्वारा अपराध एंव अपराधियो के विरुद्ध कार्यवाही एवं रोकथाम जुर्म जरायम के संबंध में दिये गये निर्देश के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक महोदय ग्रामीण श्री दुर्गा प्रसाद तिवारी व क्षेत्राधिकारी महोदय मिहींपुरवा श्रीमती हर्षिता तिवारी के निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों की रोकथाम जुर्म जरायम को रोकने हेतु थानाध्यक्ष श्री आनन्द कुमार चौरसिया के कुशल नेतृत्व में गठित टीम द्वारा दिनांक 03.05.2025 को बलात्कार के अभियोग से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त गोबिन्द उर्फ सुनील कुमार पुत्र स्व0 बिनोद कुमार उम्र 25 बर्ष निवासी ग्राम चमारनपुरवा दा0 दौलतपुर थाना मोतीपुर जनपद बहराइच को थाना क्षेत्र अन्तर्गत ग्राम नैनिहा मंडी से गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया।

प्रौद्योगिकी में बायोइन्फॉर्मेटिक्स की भूमिका विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का हुआ आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच

बरेली । खंडेलवाल कालेज में शनिवार को एक अवसर पर जैव विज्ञान के क्षेत्र से जुड़े अनेक विशेषज्ञ, वैज्ञानिकों, शोधार्थियों, शिक्षक और छात्रों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। मुख्य अतिथि प्रसिद्ध वैज्ञानिक और वक्ता प्रो. उपेंद्र बलियान बरेली एम.जेपी.आर. विश्वविद्यालय, प्रिंसिपल साइंटिस्ट डॉ. अमित कुमार आईवीआरआई भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान मौजूद रहें। प्रो. उपेंद्र ने अपने भाषण में बताया कि किस प्रकार बायोइंफॉर्मेटिक्स, क्रिस्पर जैसी अत्याधुनिक तकनीकों में एक आधारभूत भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि बायोइंफॉर्मेटिक्स के माध्यम से जीन अनुक्रमण, जीन संपादन और रोगों की पहचान अब पहले से कहीं अधिक सटीकता और गति से की जा रही है। उन्होंने यह भी बताया तकनीक, जो जीन को संपादित करने की एक क्रांतिकारी विधि है, उसमें सही टारगेटिंग के लिए बायोइंफॉर्मेटिक्स आवश्यक है। जीनोमिक डेटा का विश्लेषण, म्यूटेशन की भविष्यवाणी और बायोलॉजिकल डाटाबेस की सहायता से वैज्ञानिक अब आनुवंशिक रोगों का इलाज खोजने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। डॉ. अमित कुमार ने बताया कि किस प्रकार बायोइंफॉर्मेटिक्स और डेटा साइंस का सम्मिलन पशु स्वास्थ्य, रोगों की रोकथाम, और जीनोमिक सुधार में क्रांतिकारी परिवर्तन ला रहा है। उन्होंने बताया कि बड़ी मात्रा में उपलब्ध जैविक आंकड़ों का विश्लेषण अब कृत्रिम बुद्धिमत्ता मशीन लर्निंग और उच्च गति कम्प्यूटिंग के माध्यम से संभव हो रहा है। उन्होंने उदाहरण देकर समझाया कि कैसे पशुओं में रोगों की जल्दी पहचान, वैक्सीनेशन की रणनीति, और नस्ल सुधार की योजनाओं में बायोइंफॉर्मेटिक्स की मदद ली जा रही है। साथ ही उन्होंने इस क्षेत्र में युवाओं के लिए संभावनाओं पर भी प्रकाश डाला। इस शैक्षणिक कार्यक्रम के वक्ता डॉ. फहीम खान जिन्होंने छात्रों को बायोइन्फॉर्मेटिक्स के महत्व और इसके विभिन्न अनुप्रयोगों के बारे में विस्तार से जानकारी दी और साथ ही बताया कि बायोइन्फॉर्मेटिक्स आज जैव प्रौद्योगिकी का एक अभिन्न हिस्सा बन चुका है, जिसके माध्यम से जीनोम अनुक्रमण, औषधि की खोज, और रोग निदान जैसे क्षेत्रों में क्रांतिकारी परिवर्तन आ रहे हैं। उन्होंने बताया कि कैसे कंप्यूटर विज्ञान और जीवविज्ञान के समन्वय से शोधकर्ताओं को अधिक सटीक और तेज़ परिणाम प्राप्त हो रहे हैं। डॉ. विनय खंडेलवाल प्रबन्ध निदेशक, डॉ0 अमरेश कुमार, महानिदेशक डॉ0 आर.के. सिंह, प्राचार्य, डॉ. निशा दिनकर, डॉ. फहीम खान, डॉ. हुमैरा रानी, अमीता पाठक एवं अर्शमा खान उपस्थित रहे। डॉ0 अमरेश कुमार ने अतिथियों का स्वागत करते हुए जैव प्रौद्योगिकी में बायोइन्फॉर्मेटिक्स की बढ़ती हुई भूमिका पर प्रकाश डाला। डॉ. विनय खंडेलवाल ने बताया कि किस प्रकार बायोइन्फॉर्मेटिक्स आज के युग में औषधि विकास, जीनोमिक्स, रोगों की पहचान एवं कृषि क्षेत्र में क्रांतिकारी परिवर्तन ला रहा है कार्यक्रम में विभिन्न तकनीकी सत्र आयोजित किए गए, जिनमें आधुनिक शोध तकनीकों, डेटा विश्लेषण, और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के उपयोग पर व्याख्यान दिए गए। छात्रों ने भी पोस्टर और प्रेज़ेंटेशन के माध्यम से अपने विचार साझा किए। विभाग द्वारा आयोजित सेमिनार के मौके पर विभागीय समाचार पत्रिका न्यूज़लेटर का भी विमोचन किया गया तथा दूसरे सत्र में डॉ0 स्पप्निल यादव और डॉ0 राजीव यादव मौजूद रहे। समापन समारोह में प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए । आयोजकों ने भविष्य में इस क्षेत्र में और अधिक अनुसंधान को प्रोत्साहित करने की बात कही। कार्यक्रम का संचालन अमीता पाठक ने किया।डॉ. विनय खंडेलवाल ने सभी का आभार जताया।

उर्स-ए-ताजुश्शरिया आज से देश-विदेश के उलमा देंगे मोहब्बत का पैगाम

क्यूँ न लिखूँ सच - ब्यूरोचीफ

बरेली। सुन्नी बरेलवी मुसलमान के सबसे बड़े मजहबी रहनुमा ताजुश्शरिया मुफ्ती अख्तर रज़ा खां (अजहरी मियां) का दो दिवसीय उर्स का आगाज चार मई से होगा। उर्स के सभी कार्यक्रम दरगाह ताजुशारिया के सज्जादानशीन काजी-ए-हिंदुस्तान मुफ्ती मोहम्मद असजद रजा खां कादरी की सरपरस्ती में मनाया जाएगा। जमात रजा मुस्तफा के राष्ट्रीय महासचिव फरमान मियां ने बताया उर्स के मौके पर देश-विदेश के उलमा जायरीन को मोहब्बत का पैगाम बरेली की सरजमीं से देंगे। उर्स के सिलसिले में दो दिवसीय कार्यक्रम भी जारी कर दिया गया है। चार मई को सुबह छह बजे दरगाह ताजुशरिया पर कुरानखानी व नात मनकबत की महफिल सजाई जाएगी। दोपहर दो बजे परचम कुशाई की रस्म अदा की जाएगी। पहला परचम सैय्यद कैफी शाहबाद से, दूसरा परचम आराफात कुरैशी आजमनगर और तीसरा परचम सैलानी से निकाला जाएगा। रात को नौ बजे से मदरसा जामियातुर रजा में उलमा-ए-इकराम की तकरीर होगी। रात एक बजकर 40 मिनट पर सरकार मुफ्ती-एआज़म हिंद का कुल शरीफ होगा।

अतिक्रमण करने वालों से नगर निगम ने वसूले 14 हजार जुर्माना

क्यूँ न लिखूँ सच - ब्यूरोचीफ

बरेली। नगर निगम की टीम ने बीते दिवस सड़क पर अतिक्रमण कर दुकान लगाने वालों के वालों के खिलाफ अभियान चलाया। टीम ने ठेला और फड़ वालों पर कार्रवाई कर 14 ,700 रुपये से अधिक का जुर्माना भी वसूला। राजस्व निरीक्षक नीरज गंगवार दोपहर में टीम के साथ कर्मचारी नगर और मिनी बाइपास पर पहुंचे और जाम का कारण बने ठेला और फड़ लगाने वालों को हटाया। टीम ने जुर्माना वसूलते हुए हिदायत दी कि अगर फिर से किसी ने ठेला लगाया तो उससे मोटा जुर्माना वसूल किया जाएगा।

बरात में हुआ विवाद, युवक की पिटाई कर तोड़ा हाथ

क्यूँ न लिखूँ सच - ब्यूरोचीफ

बरेली। नरियावल में बरात में आए युवक का गाना बजाने को लेकर डीजे संचालक से विवाद हो गया। आरोप है कि डीजे संचालक ने अपने साथियों के साथ मिलकर युवक की पिटाई की और उसका हाथ तोड़ दिया। थाना बिथरी चैनपुर पुलिस ने डीजे संचालक समेत तीन आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। बारादरी क्षेत्र के नवादा शेखान निवासी ओमप्रकाश मौर्य ने बताया कि 30 अप्रैल को नरियावल में बरात में गए थे। उनका दो वर्षीय बेटा डीजे पर डांस कर रहा था। उन्होंने गाना बजाने को कहा तो डीजे चला रहे भूरा और रोहित ने इन्कार कर दिया। विरोध करने पर मारपीट करते हुए गालीगलौज की। डीजे संचालक विपिन सैनी निवासी नवादा शेखान भी आ गया और उसने अपने साथियों के साथ मिलकर उनकी पिटाई की, जिससे उनका हाथ टूट गया।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

हिंदू युवा वाहिनी ने नए पदाधिकारियों को दी जिम्मेदारी

क्यूँ न लिखूँ सच - ब्यूरोचीफ

बरेली। हिन्दू युवा वाहिनी (भारत) का एक कार्यक्रम शुक्रवार को कुआंडंडा स्थित एक शादी हॉल में आयोजित हुआ। जिसमें संगठन की मजबूती के लिए डीपी सिंह चौहान राष्ट्रीय संगठन प्रभारी द्वारा अमित पटेल को बरेली मंडल बरेली का अध्यक्ष नियुक्त करते हुए उनके नाम की घोषणा की गयी और उनको शपथ ग्रहण करायी। इस मौके पर अमित पटेल ने कहा कि संगठन द्वारा जो जिम्मेदारी उन्हें सौंपी गयी है वह उस पर खरा उतरने का पूरा प्रयास करेंगे और हिन्दू युवा वाहिनी के विस्तार एवं संगठन से लोगों को जोडने के लिए तन, मन, धन से सेवा करेंगे। उनके मनोनयन पर संगठन के पदाधिकारियों ने पुष्प माला पहनाकर उनको बधाईयां दीं। इस अवसर पर संगठन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बलवीर सिंह विरदी, महिला उपाध्यक्ष पूनम कश्यप, नीटू भारद्वाज, अमरजीत सिंह, सुनील कुमार, राजेश कुमार पटेल आदि उपस्थित रहे।

उर्स के चलते दो दिन बंद रहेगा पुराना रोडवेज बस अड्डा, नीट परीक्षार्थियों के लिए एडवाइजरी जारी

क्यूँ न लिखूँ सच - ब्यूरोचीफ

बरेली। उर्स-ए-ताजुश्शरिया में चार और पांच मई को देश-विदेश से लाखों की संख्या में जायरीन आने का अनुमान है। इसके लिए यातायात पुलिस ने दो दिन के व्यवस्था लागू रविवार व रोडवेज बस जाएगा। बसों सेटेलाइट स्टैंड यातायात डायवर्जन की है, साथ ही सोमवार को पुराना अड्डा बंद रखा का संचालन से होगा। एसपी अकमल खान ने बताया कि बरेली से बदायूं की ओर जाने वाली रोडवेज बसें सेटेलाइट बस स्टैंड से इन्वर्टिस तिराहा फरीदपुर, बुखारा मोड़, रामगंगा तिराहा होकर जाएंगी और इसी मार्ग से आएंगी। साथ ही उन्होंने नागरिकों को उर्स आयोजन स्थल के रास्तों पर नई व्यवस्था के तहत निकलने का सुझाव दिया है। बताया है कि जायरीन के अलावा अन्य लोग इन रास्तों पर संबंधित दिनों में जाने से बचें तो जाम की समस्या से बचा जा सकता है। चार मई को प्रस्तावित नीट परीक्षा को लेकर भी एसपी यातायात ने सजगता बरतने का निर्देश दिया है। परसाखेड़ा व सीबीगंज क्षेत्र में जिन नीट परीक्षार्थियों के केंद्र बने हैं, उन्हें दोपहर एक बजे तक केंद्र पर पहुंच जाना चाहिए ताकि किसी तरह की दिक्कत न हो। इन रास्तों पर प्रतिबंधित रहेंगे ई रिक्शा व ऑटो रविवार को दोपहर बाद तीन बजे से सोमवार को रात 12 बजे तक सभी तरह के चार पहिया वाहन, ऑटो, ई-रिक्शा, टेंपो मिनी बाईपास व झुमका तिराहे से मथुरापुर मदरसे की ओर प्रतिबंधित रहेंगे। साथ ही सभी ई-रिक्शा व ऑटो कुदेशिया अंडरपास से किला की तरफ, अशोक नगर तिराहा व सूद धर्मकांटा से कोहाड़ापीर की तरफ व श्यामगंज से पटेल चौक की तरफ, चौकी चौराहा से पटेल चौक की तरफ, चौकी चौराहे से चौपुला की तरफ, साहू गोपीनाथ व मठ की चौकी से कुतुबखाने की तरफ व बरेली कॉलेज से पटेल चौक की तरफ प्रतिबंधित रहेंगे।

युवती की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत, परिजनों को हत्या की आशंका

क्यूँ न लिखूँ सच - ब्यूरोचीफ

बरेली। सिरौली थाना क्षेत्र के गांव आटा फंदापुर में शुक्रवार की देर रात 20 वर्षीय गौरी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। गौरी के मायके वाले ससुराल पक्ष पर हत्या का आरोप लगाया है। गौरी ने प्रेमविवाह किया था। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। गौरी के पति हरविंदर ने बताया कि तीन साल पहले उसने पड़ोसी युवती गौरी से प्रेम विवाह किया था। शादी के एक साल बाद उन्हें एक बेटी हुई थी, जिसकी इलाज के दौरान मौत हो गई थी। उसी समय से गौरी मानसिक रूप से बीमार रहने लगी। बीमारी के चलते उनका निधन हो गया। उधर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सदर विधायक श्री प्रसन्न चौधरी ने दिव्यांगजनों को वितरित किए दिव्यांग सहायक उपकरण

क्यूँ न लिखूँ सच - राकेश गुप्ता

शामली विधायक श्री प्रसन्न चौधरी ने आज विकास भवन शामली के प्रांगण में दिव्यांगजनों को दिव्यांग सहायक उपकरण वितरण किये।जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी शामली श्री अंशुल चौहान ने अवगत कराया कि नि:शुल्क दिव्यांग सहायक उपकरण वितरण शिविर में 30 दिव्यांगजनों को ट्राइसाइकिल,05पाँच दिव्यांगजनों को व्हील चेयर व एक दिव्यांगजन को हियरिंग एड प्रदान की गई। इस अवसर पर मा0 विधायक श्री प्रसन्न चौधरी ने सभी दिव्यांगजनों से कुशल क्षेम जाना और उन्हें फूल माला पहनाकर व लंच पैकेट देकर दिव्यांग उपकरण के साथ रवाना किया,दिव्यांगजन इस अवसर पर अत्यंत खुश दिखायी दिये।इस अवसर पर विधायक जी ने अपने संबोधन में कहा कि पिछले कुछ वर्षों में दिव्यांग भाई बहनों को विधायक निधि से सैकडो की संख्या में मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल भी वितरित की जा चुकीं है,जल्द ही शेष 80ल व उससे ऊपर की दिव्यांगता वाले वे दिव्यांगजन जिनके दोनों हाथ सही है,मानसिक स्थिति व दृष्टि सही है और पिछले पाँच वर्षों में उसे मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल नहीं मिली है,शिविर लगाकर ऐसे पात्र दिव्यांगजनों को भी मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल वितरित की जायेगी। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी श्री विनय कुमार तिवारी ने दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा दिव्यांग हित में चलाई जा रही योजनाओं में विषय में दिव्यांगजनों को अवगत कराया और जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी को पात्र लाभार्थीयो को अधिक से अधिक लाभ दिलाने के निर्देश दिये।

विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस पर तहसील जमुनहा में गोष्ठी आयोजित, पत्रकारों को किया गया सम्मानित

क्यूँ न लिखूँ सच- प्रेमचंद जायसवाल

श्रावस्ती। जनपद में तहसील जमुनहा के प्रांगण में शनिवार को विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता उत्तर प्रदेश श्रमजीवी पत्रकार यूनियन के तहसील अध्यक्ष बाबूराम पाठक ने की। इस दौरान पत्रकारिता की भूमिका, उसकी चुनौतियाँ और समाज में मीडिया की अहमियत पर विस्तार से चर्चा की गई। गोष्ठी में जमुनहा तहसील अध्यक्ष बाबूराम पाठक ने उपस्थित पत्रकारों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रेस लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है। एक सच्चा पत्रकार निडरता और ईमानदारी से समाज को सच से जोड़ता है। उन्होंने कहा कि यह दिवस उन पत्रकारों को सम्मान देने का अवसर है जो तमाम कठिनाइयों के बावजूद निष्पक्ष पत्रकारिता करते हैं। इस अवसर पर यूनियन के जिला उपाध्यक्ष अमरनाथ सिंह, तहसील संरक्षक सुधीर सिंह, जिला मंत्री प्रेमचंद्र जायसवाल, जिला सचिव रुद्रसेन वर्मा, तहसील प्रभारी प्रदीप त्रिपाठी, तहसील उपाध्यक्ष हिमांशु गुप्ता, वरिष्ठ तहसील उपाध्यक्ष नंदकुमार गुप्ता, महामंत्री नितिश कुमार तिवारी, मंत्री अमित विश्वास, कोषाध्यक्ष विकास सोनी, संगठन मंत्री संतोष गुप्ता, मीडिया प्रभारी राहुल जायसवाल समेत अजय यादव, पवन वर्मा, पंकज वर्मा, अवधेश वर्मा, वीरेंद्र वर्मा सहित कई पत्रकार मौजूद रहे। गोष्ठी में वक्ताओं ने कहा कि वर्ष 1993 में संयुक्त राष्ट्र ने तीन मई को विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस के रूप में मान्यता दी थी। यह दिवस वर्ष 1991 में विंडहोक घोषणापत्र की स्मृति में मनाया जाता है, जिसमें स्वतंत्र, निष्पक्ष और विविधतापूर्ण प्रेस की आवश्यकता पर बल दिया गया था। अंत में पत्रकारों ने संकल्प लिया कि वे सत्य और निष्पक्ष पत्रकारिता के मूल्यों को बनाए रखते हुए समाज और लोकतंत्र के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को निभाते रहेंगे।

62वीं वाहिनी स.सी. बल भिनगा में क्रिकेट मैच का आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच- प्रेमचंद जायसवाल

श्रावस्ती कमांडेंट 62वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, भिनगा के नेतृत्व में शिवाजी ग्राउंड में 'ए' समवाय एवं मुख्य समवाय के मध्य क्रिकेट मैच का आयोजन किया गया । इस आयोजन में अधिकारियों एवं जवानों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और खेल का भरपूर आनंद लिया । मुख्य समवाय ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 12 ओवरों में 92 रन बनाए । जवाब में 'ए' समवाय 64 रन ही बना सकी । इस प्रकार मुख्य समवाय ने यह मुकाबला 28 रनों से अपने नाम किया । जिसमे मुख्य आरक्षी नेमी चंद ने 24 रन व दो विकेट लेकर अपनी टीम को जिताने में सहयोग किया । %ए% समवाय से मुख्य आरक्षी राकेश कुमार चौबे ने 4 विकेट लिए । दोनों टीमों ने अनुशासित एवं खेल भावना से परिपूर्ण प्रदर्शन किया । इस प्रकार के आयोजनों से न केवल बल के सदस्यों के बीच आपसी समन्वय व सौहार्द बढ़ता है, बल्कि शारीरिक फिटनेस एवं मानसिक ताजगी को भी प्रोत्साहन मिलता है । कमांडेंट ने खिलाड़ियों को बधाई दी एवं इस प्रकार की गतिविधियों को निरंतर आयोजित करने की बात कही । इस दौरान उप कमांडेंट निरूपेश कुमार, श्री सोनू कुमार, श्री गोबर्धन पुजारी व अन्य जवान उपस्थित रहे ।

कलेक्ट्रेट परिसर मे नवनिर्मित शिव मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा विशाल भंडारे का आयोजन किया गया

क्यूँ न लिखूँ सच - राकेश गुप्ता

शामली कलेक्ट्रेट परिसर में नवनिर्मित शिव मन्दिर में प्राणप्रतिष्ठा संपन्न हुई। दिनांक 28 अप्रैल से 02 मई तक विधिवत पूजन के साथ कार्यक्रम हवन पूजन और भण्डारे के साथ संपन्न हुआ। शिव परिवार के साथ ही हनुमान जी, दुर्गा जी गणेश जी की मूर्तियों की स्थापना हुई। यजमान के तौर पर अपर जिलाधिकारी संतोष कुमार सिंह ने रुद्राभिषेक पूजन किया। तत्पश्चात कलेक्ट्रेट के अधिकारियों बार के अधिवक्ताओं के साथ हवन कर पूर्णाहुति की गई। भण्डारे में सैकड़ो की संख्या में श्रद्धालु, अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहें।इस अवसर पर जिलाधिकारी शामली श्री अरविन्द कुमार चौहान ने सभी को बधाई भी और कहा कि देवों के देव महादेव मन्दिर की स्थापना सभी के जीवन में शुभकारी हो। मंदिर का नामकरण मंगलेश्वर महादेव मन्दिर अपर जिलाधिकारी संतोष कुमार सिंह द्वारा विचारोंपरान्त किया गया। कार्यक्रम में मुख्य सहयोगी चरत बंसल रहें। कार्यक्रम में उपस्थित शामली विधायक प्रसन्न चौधरी, एडीएम न्यायिक परमानन्द झा,एसडीएम कैराना स्वप्निल कुमार यादव, एसडीएम ऊन निधि भारद्वाज, संदीप त्रिपाठी,जसपाल सिंह महासचिव जिला बार संघ, बिजेंद्र सिंह पूर्व अध्यक्ष, प्रदीप पंवार, मणिकांत शर्मा,राम कुमार वर्मा, प्रदीप चौहान,दिग्विजय सिंह, प्रताप राठौर, मुकेश गर्ग, चन्द्रभान,श्रीपाल आदि अधिवक्ता सहित अंकित गोयल, अनुराग शर्मा, पुनीत द्विवेदी, वीना अग्रवाल,रीतू जैन, रीमा गोयल आदि मौजूद रहे।

बहराइच जिलाधिकारी मोनिका रानी एवं पुलिस अधीक्षक महोदय की अध्यक्षता में नानपारा में सम्पूर्ण समाधान दिवस का हुआ आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच- शैलेंद्र कुमार पांडेय

जनपद के प्रत्येक तहसील स्तर पर सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया । जिलाधिकारी बहराइच श्रीमती मोनिका रानी एवं पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा तहसील नानपारा में उपस्थित रहकर सम्पूर्ण समाधान दिवस की अध्यक्षता की गई । इस दौरान फरियादियों की समस्याओं को सुनकर संबंधित अधिकारियों को मौके पर जाकर जनशिकायतों की निष्पक्ष जाँच कर विधिक निस्तारण करने तथा निस्तारित प्रार्थना पत्रों की आख्या समय से प्रेषित करने के लिए सम्बन्धित को निर्देशित किया गया तथा कुछ शिकायतों के निस्तारण हेतु टीम गठित कर मौके पर जाकर जाँचकर निस्तारण करने हेतु रवाना किया गया। इस दौरान प्रशासन, पुलिस व अन्य विभागों के अधिकारीगण मौजूद रहे।

मऊआइमा में एक्सपायर कोल्डड्रिंक की बिक्री जोरों पर मिलावटी मिष्ठान हर दुकानों पर बिकने से हर कोई परेशान

क्यूँ न लिखूँ सच

मऊआइमा ।इन दिनों चल रही ब्याह शादी तथा शरीर को झुलसा देने वाली गर्मी में हर कोई कोल्डड्रिंक पीना चाहता है।बताते हैं कि नफाखोर दुकानदार एक्सपायर नामी कोल्डड्रिंक बेच रहे हैं। एक्सपायर कोल्डड्रिंक का सेवन करने वाले बताते हैं कि पीने से अजीब सी गंध आती है।जी मिचलाने लगता है। जानकार बताते हैं कि शादी ब्याह में धड़ल्ले से एक्सपायर कोल्डड्रिंक पीलायी जा रही है। गांव देहातों में तो इसकी जमकर बिक्री की जा रही है।यही नहीं बाजारों में नकली कोल्डड्रिंकों के अलावा मऊआइमा नगर पंचायत क्षेत्र में मिलावटी मिष्ठान भी धूम से बिक रही है। आरोप है कि फूड इंस्पेक्टर को केवल महीना लेने से मतलब है। लोगों का आरोप है कि फूड इंस्पेक्टर मऊआइमा क्षेत्र में देखायी नहीं देते। दुकानदार इंसानों के जिंदगियों से खिलवाड़ कर रहे हैं। स्थानीय लोगों ने आला अधिकारियों से क्षेत्र में बिक रहे नकली कोल्डड्रिंक और मिलावटी मिष्ठानों की जांच की मांग की है।

संक्षिप्त समाचार

जिलाधिकारी ने सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन तहसील सभागार में किया गया

क्यूँ न लिखूँ सच - आलोक नारायण

जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन तहसील उरई के तहसील सभागार में किया गया। सम्पूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर जिलाधिकारी ने फरियादियो की शिकायतो को गम्भीरतापूर्वक सुनकर सम्बन्धित अधिकारियों को निस्तारण करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि सम्पूर्ण समाधान दिवस का मुख्य उद्देश्य आमजनमानस की समस्याओं को सुनकर उनका समयबद्ध, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। सम्पूर्ण समाधान के अवसर पर जिलाधिकारी के समक्ष कुल 48 शिकायती प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए जिसमे 11 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया, शेष शिकायतों के लिए जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को मौके पर जाकर जांच करें और समस्याओं का निष्पक्ष, पारदर्शी तथा गुणवत्तापूर्ण एवं प्राथमिकता के आधार पर समाधान करने के निर्देश दिए। उन्होंने समस्त अधिकारियों को निर्देश दिया कि किसी भी शिकायत को लंबित न रखें और समयबद्ध ढंग से उसका समाधान करें। संपूर्ण समाधान दिवस के पश्चात समस्त जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि निराश्रित , वृद्धावस्था , दिव्यांग पेंशन तथा अंत्योदय राशन कार्ड के लाभार्थियों के सत्यापन का कार्य करा 10 मई तक अनिवार्य रूप से करा लें । जीरो पॉवर्टी के दौरान किए गए सर्वे में पात्र लाभार्थियों को योजनाओं से आच्छादित जाना है , इस हेतु अभियान तेजिंदर चलाए । दैवीय आपदा में जिनका भी मकान क्षतिग्रस्त हुआ है और जीरो पावेर्टी में सत्यापित लाभार्थी है तो उनका चयन माननीय मुख्यमंत्री आवास योजना हेतु कर लें ।माननीय मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना के तहत प्राप्त आवेदन पत्रों के निस्तारण हेतु अधिकारियों की टीम बनाकर बैंक में भेज कर लंबित प्रार्थना पत्रों के निस्तारण हेतु भी निर्देशित किया गया इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक प्रदीप कुमार वर्मा, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ नरेंद्र देव शर्मा, प्रभागीय वनाधिकारी प्रदीप कुमार, उप जिलाधिकारी अतुल कुमार, क्षेत्राधिकारी अर्चना सिंह आदि सहित सम्बंधित अधिकारी मौजूद रहे।

पीड़ित ने पुलिस अधीक्षक को प्रार्थना पत्र देकर लगाई न्याय की गुहार

क्यूँ न लिखूँ सच- वीरेंद्र कुमार वर्मा

श्रावस्ती के मल्हीपुर थाना क्षेत्र में एक महिला और उनके बेटे के साथ मारपीट का मामला सामने आया है ग्राम पंचायत कथरा माफी की रहने वाली मंजू (41) और उनका(13) वर्षीय बेटा अजय 27 अप्रैल को अपने खेत में गेहूं की मड़ाई कर रहे थे इसी दौरान गांव के विनोद कुमार आर्य 25 और शांति देवी 40 ने दोनों पर हमला कर दिया घटना के बाद पीड़िता मंजू ने थाने में शिकायत दर्ज कराई लेकिन पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की पीड़िता ने शुक्रवार को पुलिस अधीक्षक श्रावस्ती से मिलकर न्याय की गुहार लगाई एसपी के निर्देश पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है पुलिस ने पीड़ितों का मेडिकल परीक्षण भी शुरू कर दिया है पीड़ित और उसके परिजन मामले में उचित कार्रवाई की मांग कर रहे हैं पुलिस का कहना है कि जांच की आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी

पीड़ित जमीन विवाद मे तहसील कार्यालय का लगा रहा चक्कर

क्यूँ न लिखूँ सच- वीरेंद्र कुमार वर्मा

तहसील जमुनहा के अंतर्गत ग्राम पंचायत हरदत्त नगर गिरंट के मजरा बढ़गढ़ पुरवा के निवासिनी आशा देवी पत्नी रामदेव मिश्रा ने लालजी यादव से आवासीय भूमि का बैनामा लिया था। जिसका गाटा संख्या 2464 व 2465 मे बैनामा करवा लिया लगभग 15 वर्ष पक्की इट की बुनियाद भरी हुई है। जिस पर दूसरे भाई से उसी गाटे में बलराज बंजारा व सुरेश कुमार ने बैनामा लिया है और अब मेरी ही जमीन पर अवैध रूप से कब्जा करना चाहते है। इस संबंध में प्रार्थनी द्वारा उपजिलाधिकारी जमुनहा, जिलाधिकारी श्रावस्ती, रजस्व परिषद विभाग लखनऊ, मुख्य मंत्री उत्तर प्रदेश शासन लखनऊ को पत्र भेजकर भूमाफियों के खिलाफ कार्यवाही करने की मांग किया है। और जमीन पर कब्जा करने व आगे पड़ी चक मार्ग नाप कर निकलने और मेरी बैनामे की जमीन को निकालने के लिए उपजिलाधिकारी जमुनहा के कार्यालय की चककर लगा रही है। उपजिलाधिकारी द्वारा पैमाइश का आश्वासन दिया जा रहा है लेकिन अभी तक नही पैमाइश किया गया है।

सामान लेने आयी युवती से की गयी अश्लीलता मुकदमा दर्ज

क्यूँ न लिखूँ सच

मऊआइमा (प्रयागराज) मऊआइमा थाना क्षेत्र के ग्राम बकराबाद निवासनीय एक युवती का आरोप है कि वह सामान खरीदने राजेतारा आयी थी। आरोप है कि वहीं पर दो युवकों ने छेड़खानी करने लगे। आरोप है कि विरोध पर हाथ पकड कर अश्लील हरकतें किए। बोलने पर मारे पीटे जान से मारने की धमकी दिए।

युवती ने मऊआइमा थाने में राजेतारा निवासी बृजेश कुमार और राजेश कुमार के खिलाफ मऊआइमा थाने में मुकदमा दर्ज करा दी है।

सख्त से सख्त कार्रवाई करने करवाने के लिए सर्व समाज के लोग बहुत बड़ी मात्रा में एकत्रित हुए

क्यूँ न लिखूँ सच - श्याम जी कश्यप

जनपद फरूखाबाद उत्तर प्रदेश- भगवान परशुराम के बारे में आप शब्द बोलने वाले जवाहर सिंह गंगवार के विरुद्ध जिलाधिकारी को ज्ञापन देने और सख्त से सख्त कार्रवाई करने करवाने के लिए सर्व समाज के लोग बहुत बड़ी मात्रा में एकत्रित हुए और सभी ने एक स्वर में जवाहर सिंह गंगवार के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की मांग की गई कलेक्ट्रेट परिसर में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए फर्रुखाबाद विकास मंच के जिला अध्यक्ष भइयन मिश्रा ने कहा कि जवाहर सिंह गंगवार विकृत मानसिकता का व्यक्ति है और लगातार या समाज को बांटने के लिए सनातन धर्म और महापुरुषों के बारे में अंत-शंट बोलता रहता है गरीबों विष्णु की बात करने वाला या स्वयंभू नेता अंबेडकर तिराहे पर अंबेडकर जी की मूर्ति के सामने ही करोड़ों की सरकारी जमीन पर कब्जा किए बैठा है, ऐसे व्यक्ति के विरुद्ध कठोर कार्रवाई करने की आवश्यकता है जो समाज को बांटने का काम कर रहा है ब्राह्मण समाज के जिला अध्यक्ष रमेश चंद्र त्रिपाठी ने कहा ब्राह्मण समाज हमेशा सर्व समाज की बात करता है पर कुछ ऐसे निकृष्ट लोग हैं जो हमेशा समाज को तोड़ने की बात करते हैं उन्हें में से यह जवाहर सिंह गंगवार है ऐसे व्यक्ति को कठोर से कठोर दंड दिया जाना बहुत आवश्यक है हिंदू महासभा के प्रदेश अध्यक्ष युवा शाखा विमलेश मिश्रा ने कहा कि ऐसे लोगों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की आवश्यकता है जिससे कि समाज में सामाजिक समरसता बनी रहे नहीं तो ऐसे लोग समाज को तोड़ने के लिए हर तरीक़े अपनाते रहेंगे करणी सेवा सेवा के जिला महामंत्री प्रदीप सिंह राठौड़ ने कहा की जवाहर सिंह जैसे व्यक्ति की जगह बाहर नहीं जेल में है इसके विरुद्ध राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत कार्रवाई हो करणी सेवा के जिला अध्यक्ष मंथन गहरबार ने कहा सभी समाज एक है और ऐसे लोगों को सबक सिखाने के लिए जरूरत पड़ी तो हर स्तर पर संघर्ष किया जाएगा महंत आशुतोष बाजपेई उर्फ बाबा वाजपेई ने कहा जवाहर सिंह गंगवार हमेशा से अराज के व्यक्ति रहा है और यहां हमेशा समाज को बांटने के लिए कार्य करता है ऐसे लोगों को समाज से दूर करने की आवश्यकता है विश्व हिंदू परिषद के धर्म प्रसार प्रमुख कोमल पांडे ने कहा कि ऐसाअरजक तत्वों की मंशा को पूरा नहीं होने देंगे ऐसे व्यक्ति की जगह बाहर नहीं जेल है स्वतंत्रता संग्राम सेनानी वंशज के राष्ट्रीय अध्यक्ष बॉबी दुबे ने कहा आज इतनी बड़ी संख्या में लोगों ने आकर यह साबित कर दिया है की सर्व समाज एक है और जो समाज को बांटने का काम करेगा उसको अलग किया जाएगा प्रदर्शन के दौरान बहुत बड़ी संख्या में आए हुए लोगों ने जबरदस्त नारेबाजी की और यदि जल्द कार्रवाई न हुई तो प्रबल आंदोलन की चेतावनी दी गई आज के कार्यक्रम में प्रमुख रूप से अखिलेश अग्निहोत्री, राम जी वाजपेई पूर्व सभासद, अरुण मिश्रा एडवोकेट, कैलाश मिश्रा, राजीव चतुर्वेदी (पूर्व अध्यक्ष छात्र संघ), बब्वा दुबे, प्रबल त्रिपाठी सभासद, नन्हे पंडित सभासद, शशांक शेखर मिश्रा सभासद, आशीष मिश्रा एडवोकेट, रानू दीक्षित एडवोकेट, जवाहर मिश्रा, पंकज राठौर, हिमांशु गुप्ता मोहित खन्ना, राहुल जैन ,अमन जैन राजन दीक्षित अनूप तिवारी (अधिवक्ता संघ सचिव), शिव शुक्ला, राजा मिश्रा, सुनील मिश्रा, राष्ट्रीय ब्रह्म मंच के जिला अध्यक्ष अमन दुबे, भाजपा युवा मोर्चा के मंडल अध्यक्ष सागर पांडे, छात्र संघ के पूर्व अध्यक्ष ठाकुर पांडे, पूर्व छात्र संघअध्यक्ष अतुल मिश्रा, जवाहर मिश्रा, राहुल दीक्षित गुड्डा एडवोकेट, गौरव मिश्रा एडवोकेट, रिंकू मिश्रा, कीर्ति वर्धन सिंह, एडवोकेट ,राजू शुक्ला एडवोकेट, विनोद मिश्रा, रानू शुक्ला सभासद, अमन गुप्ता, सौरभ पांडे, पंकज अवस्थी पूर्व छात्र संघ महामंत्री, आचार्य अमरीश जी महाराज, स्वदेश राठौर, राहुल परिहार, हिंदू महासभा जिला अध्यक्ष क्रांति पाठक, रितेश शुक्ला, संजीव अग्निहोत्री, आलोक मिश्रा भरे अजय दुबे अज्जू, नारायण दत्त द्विवेदी, शाहिद बहुत बड़ी संख्या में लोगों की उपस्थिति रही

कालपी को मिलेगी सीवेज ट्रीटमेंट योजना की सौगात, विधायक विनोद चतुर्वेदी के प्रयासों से स्वीकृत हुई योजना

क्यूँ न लिखूँ सच

कालपी (जालौन) नगर पालिका परिषद कालपी क्षेत्रवासियों के लिए बड़ी खुशखबरी है। कालपी विधायक विनोद चतुर्वेदी के प्रयासों से नगर में एसटीपी (सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट), सीवेज पंपिंग स्टेशन, नालों की टैपिंग तथा अन्य सीवर नेटवर्क से संबंधित कार्यों के लिए डीपीआर को स्वीकृति मिल गई है। इस महत्वाकांक्षी योजना के लिए अनुमानित लागत 1864.75 लाख (कैपेक्स) तथा ?775.42 लाख (ओपेक्स) तय की गई है। यह योजना नगर विकास विभाग के सहयोग से एमआरसीएसपी (ष्ट्र्स्क्क) योजना के तहत क्रियान्वित की जाएगी, जिसके अंतर्गत नालों को यमुना नदी में गिरने से रोका जाएगा और सीवेज को ट्रीट कर पुन: उपयोग हेतु तैयार किया जाएगा। प्रदेश सरकार की एसएचईओ 2.0 योजना के अंतर्गत यह कार्य किया जाएगा, जिससे क्षेत्र में स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा। राज्य स्तरीय तकनीकी समिति से अनुमोदन मिलने के बाद अब कार्य जल्द ही प्रारंभ होने की उम्मीद है। नगर पालिका परिषद कालपी में इस योजना के तहत सीवेज पंपिंग स्टेशन, सीवर नेटवर्क निर्माण, ट्रीटमेंट प्लांट की स्थापना तथा जल पुन: उपयोग की प्रणाली स्थापित की जाएगी। इस योजना से करीब 63,155 जनसंख्या को लाभ मिलने की संभावना है और यह 2026 तक की भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए बनाई गई है। विधायक विनोद चतुर्वेदी ने कहा कि 卐यह योजना कालपी नगर की वर्षों पुरानी सीवेज समस्या का स्थायी समाधान देगी। हमारी प्राथमिकता जनता को स्वच्छ वातावरण देना है और इसके लिए हर संभव प्रयास किया जा रहा है।

मैनेजमेंट एण्ड रिसर्च सोसाइटी द्वारा स्थापित प्रशिक्षण केन्द्र का सदर विधायक ने किया उद्घाटन

क्यूँ न लिखूँ सच - नीरज कुमार

उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन योजना के अन्तर्गत मिशन में आबद्ध प्रशिक्षण प्रदाता पं0 हरगोविन्द मैनेजमेंट एण्ड रिसर्च सोसायटी द्वारा स्थापित प्रशिक्षण केन्द्र का उ?द्घाटन माननीय सदर विधायक श्री गौरी शंकर वर्मा एवं जिला समन्वयक डॉ नूपुर कश्यप द्वारा संयुक्त रूप से फीता काटकर किया गया। सम्माननीय अतिथियों द्वारा माँ सरस्वती जी की छाया चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवलित किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य अतिथि सदर विधायक जी ने उपस्थित प्रतिभागियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को तकनीकी ज्ञान होना चाहिए तथा उस के ज्ञान के आधार पर उसे जीवकोपार्जन हेतु व्यवसाय अथवा नौकरी प्राप्त होगी, आज के वर्तमान व्यवसाय के अनुरूप इस प्रशिक्षण केन्द्र पर हेल्थकेयर सेक्टर के अन्तर्गत ड्रेसर का कोर्स प्रतिभागियों को रोजगार दिलाने में अहम भूमिका अदा करेगा क्योंकि यही समय की मांग है। कार्यक्रम में उपस्थित जिला समन्वयक / प्रधानाचार्य डॉ नूपुर कश्यप द्वारा संचालित हो रहे प्रशिक्षण कोर्स के बारें में विस्तृत जानकारी उपलब्ध करायी गयी, साथ ही साथ प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि कौशल सफलता की सीढ़ी है जो किसी को भी नयी ऊंचाइयों तक पहुंचने के लिये सशक्त बनाती है। माननीय सदर विधायक श्री गौरी शंकर वर्मा एवं जिला समन्वयक डॉ नूपुर कश्यप द्वारा प्रशिक्षण केन्द्र में प्रशिक्षणरत् प्रशिक्षणार्थियों को नि:शुल्क पाठ्य सामग्री व वर्दी वितरण भी किया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन कर रहें श्री कन्हैया लाल वैश्य निदेशक जन शिक्षण संस्थान द्वारा उपस्थित अतिथियों का आभार ज्ञापित किया गया। इस दौरान प्रमुख रूप से कौशल विकास मिशन से एम0आई0एस0 मैनेजर श्री कपिल नामदेव, भारत कुमार शर्मा श्री तौफीक अहमद, व प्रशिक्षण प्रदाता के समस्त प्रशिक्षक व कर्मचारी उपस्थित रहे।

लायंस क्लब शामली दोआब द्वारा शीतल जल प्याऊ का शुभारम्भ अरविंद संगल द्वारा किया

क्यूँ न लिखूँ सच - राकेश गुप्ता

शामली आज लायंस क्लब शामली दोआब द्वारा फव्वारा चौक, शामली पर नागरिकों के लिए शीतल जल प्याऊ का शुभारम्भ पालिकाध्यक्ष लायन अरविन्द संगल, लॉयंस जोन चेयरमैन लायन सुशील श्रीवास्तव जी द्वारा किया गया। शीतल जल प्याऊ का शुभारंभ करते हुए पालिका अध्यक्ष ने इस पुनीत कार्य की भूरी भूरी प्रशंसा की, उन्होंने कहा कि भीषण गर्मी व झुलसती धूप में आम जनता के लिए ठंडे पानी की प्याऊ लगाना बहुत ही धर्म का कार्य है। सनातन धर्म मे प्राचीन काल से ही प्याऊ लगाने की परम्परा है और शामली दोआब इस परम्परा का बखूबी निर्वहन कर रहा है। क्लब द्वारा क्षेत्र में 4 ठंडे पानी की मशीनें पहले से ही लगाई हुई है। इस कार्यक्रम का खर्च क्लब के सदस्यों द्वारा वहन किया जाता है। सुशील श्रीवास्तव जी ने इस अवसर पर इसे बहुत ही पुनीत कार्यक्रम बताया और इन कार्यों की प्रशंसा की! आम आदमियों की चिंता करना तथा उनकी सेवा करना, सदस्यों का परम धर्म है। इस अवसर पर क्लब अध्यक्ष लायन रजत अग्रवाल ने बताया कि इसी गर्मी में 2 मंदिरों में वाटर कुलर लगाना प्रस्तावित है । ।प्रोजेक्ट चेयरमैन लायन सोमेश गर्ग, लायन रजनीश अग्रवाल ने सबका धन्यवाद किया। शीतल जल प्याऊ शुभारंभ के अवसर पर रोटेरियन राहुल अग्रवाल, लायन रजत अग्रवाल अध्यक्ष, लायन सचिन गोयल सचिव, लायन नीरज गर्ग कोषाध्यक्ष, लायन भूपेंद्र मलिक, उपस्थित रहे

सभी कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर जनपद शामली में धन्यवाद यात्रा निकाली

क्यूँ न लिखूँ सच - राकेश गुप्ता

शामली उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष आदरणीय अजय राय जी के आदेश अनुसार उत्तर प्रदेश के सभी जिलों में जातीय जनगणना कॉल लेकर नेता प्रतिपक्ष पूर्ण राष्ट्रीय अध्यक्ष वर्तमान सांसद आदरणीय राहुल गांधी जी के सामने भाजपा सरकार को झुकना ही पड़ा आदरणीय राहुल गांधी जी ने संसद के अंदर जातीय जनगणना के बारे में आने को बार भाजपा सरकार को घूरते हुए नजर आए और आज राहुल गांधी जी के संघर्ष को याद करते हुए आज शामली जनपद कांग्रेस कमेटी द्वारा एवं शहर कांग्रेस कमेटी द्वारा जातीय जनगणना के उपलक्ष में शहर कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष लोकेश कटारिया ने अपने सभी कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर जनपद शामली में धन्यवाद यात्रा निकाले धन्यवाद यात्रा में मौजूद रहे शामली शहर कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष लोकेश कटारिया ने काहा की जातीय जनगणना से सभी को बराबर की हिस्सेदारी मिलेगी और भारत देश मजबूत होगा और जातीय जनगणना से भारत सरकार को पता चलेगा की देश के हर के विभागों में किस जाति की कितने लोगों की कितनी हिस्सेदारी है यह देश को पता चलेगा और देश और प्रदेश मजबूत होगा एवं शामली शहर कांग्रेस कमेटी के पूर्व सभी कार्यकर्ता मौजूद रहे और अपनी उपस्थिति दर्ज कराई मौजूद रहे ओंकार पप्पू मोहन वाल्मीकि राजीव वाल्मीकि प्रमोद कश्यप दीपक गर्ग गयूर अली महफूज अली इरशाद अली दिलशाद अली राजेंद्र मेंबर सतीश मिस्त्री बाबूराम मिस्त्री शीशपाल एवं सभी कार्यकर्ता मौजूद रहे और नारे भी लगाते रहे झुकती है दुनिया झुकाने वाला चाहिए

संक्षिप्त समाचार

चोरी के अभियोग का 01 अभियुक्त थाना नैनी पुलिस द्वारा गिरफ्तार, कब्जे से चोरी का 1000/- रूपया व घटना में प्रयुक्त 01 ऑटो बरामद

क्यूँ न लिखूँ सच

थाना नैनी पुलिस द्वारा थाना स्थानीय से संबंधित मु0अ0सं0 207/2025 धारा 305/317(2) बीएनएस के अभियुक्त राजू केसरवानी पुत्र नन्हकू लाल नि0 अकोढ़ा थाना कौधियारा प्रयागराज को थाना नैनी परिसर से गिरफ्तार कर कब्जे से चोरी का 1000/- रूपया व घटना में प्रयुक्त 01 ऑटो बरामद किया गया । नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है । घटना का संक्षिप्त विवरण-अवगत कराना है कि वादी मुकदमा अजय कुमार मिश्रा पुत्र स्व0 प्रेमचन्द्र मिश्रा निवासी ग्राम घमहाँ कटहरा थाना सरायममरेज जनपद प्रयागराज द्वारा दिनांक-28.04.2025 को अभियुक्त राजू केसरवानी उपरोक्त व उसके साथी 03-04 व्यक्ति अज्ञात द्वारा मिलकर दो लाख रूपया नगद, सोने व चाँदी के जेवरात चोरी कर लेने के सम्बन्ध में थाना नैनी पर मु0अ0सं0 207/2025 धारा 305/317(2) बीएनएस में अभियोग पंजीकृत कराया गया । जिसके संबंध में दिनांक-02.05.2025 को थाना नैनी पुलिस द्वारा अभियुक्त राजू केसरवानी उपरोक्त को वादी मुकदमा के सहयोग से थाना नैनी परिसर से गिरफ्तार किया गया । कब्जे से चोरी का 1000/- रूपया व घटना में प्रयुक्त 01 ऑटो रजि0नं0 क्क्र0हृ्र6307 को बरामद किया गया । पूछताछ का विवरण- अभियुक्त ने पूछताछ पर बताया कि छिवकी रेलवे स्टेशन पर मैं आटो चलाता हूँ । हमारे साथ में और भी लोग थे, जिनका नाम मैं नहीं जानता हूँ। वो लोग सामान चोरी करने का काम करते है । मैं भी उन्ही के बातो में आकर लालचवश अजय कुमार मिश्रा व उनके परिजन का सामान चोरी कर लिया था । चोरी का सारा सामान उन्ही लोगो के पास है। उन्होनें मुझे जाते समय चोरी किये गये रूपये में से 1000/- रूपये खर्च के लिये दिया था और बताया कि जब हम दुबारा मिलेगें तो तुम्हारा हिस्सा तुमको देगें ।

थाना घूरपुर पुलिस टीम द्वारा सार्वजनिक स्थान पर जुआं खेलते हुए 04 अभियुक्त गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच

थाना घूरपुर पुलिस टीम द्वारा सार्वजनिक स्थान पर जुआं खेलते हुए 04 अभियुक्त गिरफ्तार, कब्जे से 52 अदद ताश के पत्ते, माल फड़ के 4550/- रूपये तथा जामातलाशी के 950/- रूपये बरामद थाना घूरपुर पुलिस टीम द्वारा दिनांक-02.05.2025 को मुखबिर की सूचना पर ग्राम बड़ी बोंगी थाना क्षेत्र घूरपुर से सार्वजनिक स्थान पर जुआं खेलते हुए 04 अभियुक्त 1. हैदर अली पुत्र महबूब अली नि0 ग्राम बडी बोंगी थाना घूरपुर जनपद प्रयागराज 2.मो0 चांद पुत्र मो0 आरिफ नि0 ग्राम बडी बोंगी थाना घूरपुर प्रयागराज 3. ललित गौड पुत्र स्व0 बद्री प्रसाद गौड नि0 ग्राम बडी बोंगी थाना घूरपुर जनपद प्रयागराज 4.सुरेश कुमार पुत्र वंशीलाल नि0 ग्राम छोटी बोंगी थाना घूरपुर जनपद प्रयागराज को गिरफ्तार किया गया । कब्जे से 52 अदद ताश के पत्ते, माल फड़ के 4550/- रूपये तथा जामातलाशी के 950/- रूपये बरामद किये गये । उक्त गिरफ्तारी/बरामदगी के आधार पर थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0 141/2025 धारा 13 सार्वजनिक जुआं अधिनियम पंजीकृत किया गया । नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की गयी ।

Has the thread of love become weak? 4 signs that tell that the partner has broken the relationship in his mind

Making a relationship and then maintaining it is very difficult in itself. Especially when the relationship gets old, many kinds of difficulties start arising in it. This is the reason that after a point, this question starts coming in the mind of people whether our partner loves us. You can find out this with 4 signs. Whatever the relationship is, it is very difficult to maintain them. Especially when the relationship gets old, the difficulties increase. In such a situation, some signs tell that your partner has gone away from you. As much time and effort is taken to make any relationship, the same amount of hard work is taken to maintain it. Especially if this relationship is of love, then it has to go through some stage every day. Apart from love, this relationship between two people also rests on trust and honesty. Also, people often have a feeling of insecurity about their partner. There comes a time in a relationship when this question starts coming in our mind whether our partner still loves us? If you are also one of those people who keep having this question in their mind, then there are some signs by which you can find it out. Today in this article we will tell you about 5 such signs, which tell that your partner has broken up with you in his mind and is treating you as an option- Ignoring messages If your partner has started ignoring your messages these days, then do not take it lightly. No matter how busy someone is, he takes out time for his special people. However, if your partner is ignoring your messages for many days, then it is a sign that your partner is losing interest in being together. Giving excuse of not having time Everyone has work and everyone is busy, but no one is so busy that he cannot take out time for his loved ones. If your partner often gives excuse of being busy and not having time, then understand that he has gone away from you in his mind. Also, it is a sign that he/she prefers to spend his time elsewhere. Too many mood swings If your partner has become very moody these days, then it could be a sign that he/she is not interested in you. It is also a sign that he/she is trying to distance himself/herself from you. This fluctuation in mood can gradually affect the relationship. Short messages or very less conversation If you and your partner do not talk as much as before, if his/her long messages have started reducing, then do not take it lightly. Less conversation or the messages being shorter than before are signs that your partner has now lost interest in you.

You are also laughing after hearing Fart Walk! If you know its benefits, you will be surprised

Many people do exercise to stay healthy. Although many people do not have time to exercise for hours amidst busy schedules, but walking is one such exercise that people can do easily anytime. These days Fart Walk (Fart Walks benefits) is quite trending. Let's know about it. Walking is very beneficial for our health. These days Fart Walk is becoming quite viral on social media. It has many benefits, which the doctor himself has told. People all over the world have become very conscious about their health. Therefore, people adopt many techniques to keep themselves healthy. Although people often do many types of exercises and workouts to stay fit and healthy, but walking is the most effective and popular way to keep themselves healthy. Walking amidst a busy schedule is one such way, which can make you fit in less time and effort. There are many benefits of walking and people do it according to their convenience. Meanwhile, a special kind of walk is very much in trend these days. We are talking about Fart Walk, which is being discussed everywhere these days. It has been discussed a lot on social media for the last few days. Let's know what this walk is and its benefits - how did this trend start? 70-year-old Marilyn Smith, a resident of Canada, who also works to make people aware about gut health, started the Fart Walk. In fact, she shared a video on social media and told that she and her husband started walking every day after dinner, so that they could get relief from gas and help in digestion. As we release gas or fart while walking, so we have named it Fart Walk. Benefits of Fart WalkThis was about the beginning of Fart Walk, now let's know some of its benefits. After Marilyn's video went viral, Dr. Tim Tuton, Internal Medicine Specialist at Memorial Sloan Kettering Cancer Center, supported this walk and explained how this method of walking is beneficial for health. He said that walking after eating promotes intestinal motility. This helps in releasing gas and preventing constipation. Apart from this, another benefit of this is not only to prevent blood sugar from rising, but it also reduces the risk of cancer. Explaining the benefits of fart walk, Dr. Tim also shared a video on Instagram. Some of its benefits are as follows - Fart walk helps in passing gas. Doing this walk daily promotes regular bowel movement. Doing this walk makes our body sensitive to insulin. Helps in reducing weight by improving metabolism. Although more research is needed specifically on fart walk, many studies indicate that moderate physical activities, including walking, can significantly reduce the risk of premature death.

Mango Custard will keep the body cool even in the scorching sun, note down the easy recipe of this tasty dessert.

Mango Custard is such a summer dessert which is a combination of taste, health and coolness. It is as easy to make as it is fun to eat. If you are also looking for a healthy dessert in summer, then definitely make Mango Custard. Its taste will be such that everyone will like it very much. Make Mango Custard in summer. You will get the real taste of fresh mangoes in it. This homemade dessert will not cause any harm either. Summer season brings with it many health problems. During this time, special care has to be taken of food. There are many things which we feel like eating but we suppress our desire thinking that it may harm us. Mango is eaten a lot in summer. Mango is also called the king of fruits. Every recipe made from it is not only delicious to eat and drink, it is also more beneficial for health. Today we are going to tell you an easy recipe of Mango Custard. It also calms the craving for sweets. Let's know its easy recipe and also know its benefits. Recipe to make Mango Custard First of all, heat the milk in a pan. After this, add sugar to it and boil it. On the other hand, mix custard powder well in 4 to 5 spoons of cold milk, so that there are no lumps. When the milk starts boiling, slowly add custard milk to it and keep stirring continuously. Keep in mind that the gas flame should be low. Cook it for 5 to 6 minutes until the custard thickens. After this, keep the custard aside to cool. Now peel the mango and cut it into pieces and keep some pieces aside for decoration. Grind the rest of the mango and make a puree. Now mix mango puree well in the cold custard. Your mango custard is ready. While serving, add chopped dry fruits, mango pieces and a little fresh cream if you want. Benefits of eating mango custard Mango contains natural sugar and fiber. It gives instant energy to the body. If you feel tired or weak in summer, you can eat mango custard. The fiber present in mango and the custard made from milk improves digestion. Eating it cools the stomach. Along with this, it also gives relief from problems like constipation. Both custard and mango cool the body heat. In summer, when the body starts heating up due to heat wave and strong sunlight, then this desert cools the body. Children often refuse to eat fruits, but they will also like delicious desserts like mango custard. Vitamin A and C present in mango make the skin glowing. The properties present in mango strengthen the body's immunity.

Priyanka Chopra's daughter is learning Karate at the age of 3, daddy Nick Jonas told these special things about Malti

Priyanka Chopra and Nick Jonas' daughter Malti Marie Chopra Jonas is one of the famous star kids. The star couple always keeps sharing photos or videos praising their daughter. Recently, Nick Jonas has told some interesting things about his daughter. He has also praised his wife. Malti Marie Chopra Jonas is 3 years old Priyanka's daughter goes to Karate classes Nick Jonas praised his wife Priyanka Glamour world's famous couple Priyanka Chopra and Nick Jonas know how to manage their personal life along with their professional life. No matter how busy both of them are, they do not forget to give time to their daughter Malti Marie Chopra Jonas. Malti Marie Chopra Jonas is only three years old and despite this, she is one of the famous star kids today. Priyanka and Nick sometimes share some such glimpses related to their darling on social media, seeing which fans lose their hearts on them. Recently, Nick has given some such updates related to his daughter that you will be surprised to know. Malti goes to Karate class Would you believe that Priyanka and Nick Jonas' 3-year-old daughter Malti is an expert in Karate and has also got her first belt. Yes, Nick himself has revealed in a recent podcast. Nick said about his daughter on RiseXM's Andy Cohen Live podcast, "She is 3 years old. She is in nursery school, she takes Karate class, she has got her first belt." When the host said that his daughter has also turned 3, but she does not learn Karate, Nick told him that it is not too late yet. In the same interview, Nick Jonas also praised his wife and called her a good singer. He also said that Priyanka is currently shooting in India. Will Malti Marie enter films? Priyanka Chopra is a popular Bollywood and Hollywood actress and has earned recognition for her acting skills worldwide, on the other hand, Nick is a famous singer. Nick had revealed some time ago whether his daughter will also enter the entertainment industry or not. He had said that he will let Malti do whatever she wants to become. He will protect his daughter, but will not stop her from flying.

You will have to wait a long time to see 'Shriram', why are the makers delaying the teaser of Ranbir Kapoor's Ramayana?

Bollywood actor Ranbir Kapoor will be seen in the role of Lord Rama on the big screen. Last year, the makers had informed that Ramayana will be released in two parts. Recently, an update has come out that the first glimpse of the film will be shown in Waves 2025. But now the producer has confirmed that it has been postponed. Big update regarding Ranbir Kapoor's Ramayana The first glimpse of Ramayana will not be shown at Waves Summit The filmmaker told the reason behind the decision Bollywood actor Ranbir Kapoor is often in the news for his upcoming films. After films like Brahmastra and Animal, his craze has increased even more among cinema lovers. Even before this, he has worked in one of the best films in his career. These days everyone is waiting for the actor's most awaited film Ramayana. Recently, information was revealed that the makers can show its first glimpse to the people at Waves Summit 2025. However, now it has been officially confirmed that the first glimpse of Ranbir Kapoor from Ramayana will not be released at this event. Let's know the reason behind this. Waves Summit 2025 started on May 1. During this, popular artists associated with the film world were present. The makers had planned to show the teaser of Ranbir Kapoor's film Ramayana at this event, but now this will not be done and Namit Malhotra himself has talked about the reason behind this decision. Makers took the decision due to Pahalgam attack According to the Mid Day report, producer Namit Malhotra informed that due to the ongoing situation in the country after the Pahalgam terrorist attack, the first glimpse of Ramayana was not shown at Waves 2025. The first look of the Ranbir Kapoor, Sai Pallavi and Yash starrer film was to be released at the event. About this, he said, 'We had planned to show a glimpse of Ramayana in Waves 2025 today, but it has been postponed due to the terrorist attack in Pahalgam, Jammu and Kashmir.' Ramayana will be released in two parts. Let us tell you that Ramayana will be released in two parts. The first part of Ramayana will come in 2026 and the makers have planned to bring its second part in the year 2027. Talking about the star cast, Ranbir Kapoor will be seen in the role of Lord Shri Ram. At the same time, Sai Pallavi will be seen in the role of Sita and Yash will be seen in the role of Ravana.

Deepika Padukone preparing to make a comeback with this film after maternity leave? Will be seen with Prabhas

Deepika Padukone was last seen with Prabhas in the film Kalki 2898 AD. After this, the actress became the mother of a girl in September 2024 and since then she is enjoying motherhood. At the same time, now the news of her return is coming. If reports are to be believed, Deepika is preparing for a comeback with the film Spirit. Deepika was seen in Kalki 2898 AD Actress preparing for comeback with Prabhas Shooting of the film will start in September this year Deepika Padukone gave birth to a cute daughter on September 8 last year. The actress has lovingly named her Dua. Since the birth of the baby, she has kept a distance from films and is currently on maternity leave. She was last seen in Prabhas, Amitabh Bachchan and Kamal Haasan starrer film Kalki 2898 AD. Fans have been waiting for her next project for a long time now. Now news is coming that Deepika can be seen in the next project with Prabhas very soon. It is reported that she will be seen in Spirit. According to Pinkvilla's report, Deepika has signed the film. The portal wrote, earlier the shooting of this film was to start in 2024 but Deepika refused to do the film due to pregnancy. However, due to delay in the schedule, Wanga once again approached Deepika with a revised timeline and the actress has now said yes to the film. Will be seen with Prabhas The source further said, "This is Sandeep Reddy Vanga's best written female script in the world. Deepika was surprised not only by the nuances in the script but also in her character. He loved the character and is excited to work with Sandeep Reddy Vanga for the first time." With Spirit, Deepika Padukone and Prabhas will work together again after Kalki: 2898AD. Prabhas was injured during the shoot The final scripting of the film is still underway and its shooting will begin from October. The shooting of the film was supposed to begin in January but it was postponed due to Prabhas' injury during the shooting of Fauji. Now he is all set to make Spirit a grand film. The film will be an action drama Not much is known about the story of Spirit yet. However, the story of the film will be based on a high-octane action drama. The report states that Vanga worked on the script for six months to come up with a groundbreaking idea.